दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्षः 3 | अंकः 210 जयपुर, मंगलवार, 09 जुलाई, 2024 | आषाढ़, शुक्ल पक्ष- तृतीया , विसं 2081 पृष्ठः 10 | मूल्यः 2.00

@जयपुर

जयपुर-सीकर समेत 4 जिलों में बरसात

तापमान गिराः प्रदेश के कई शहर तर-ब-तर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मानसून की एंट्री के बाद से बरसात का दौर जारी है। राजधानी जयपुर में सोमवार सुबह अलग-अलग इलाकों में रिमझिम बारिश की शुरुआत हुई। दोपहर तक शहर कई इलाके सूखे थे तो कई जगह कभी तेज तो कभी धीमी बारिश का दौर चलता रहा। फिर, दोपहर साढ़े तीन बजे बाद एक बार फिर बरसात का दौर शुरू हुआ।

तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के अंडरग्राउंड में स्थित रेडियो थैरेपी वार्ड में पानी भर गया। उधर, सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा कस्बे में दोपहर में सवा घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। इस दौरान सड़कें तालाब बन गई। कस्बे के मुख्य बाजार में दुकानों में भी पानी भर गया, जिससे अंदर रखा सामान भीग गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश का अगला दौर 10 से फिर शुरू होगा।

आज बारिश का अलर्ट नहीं

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर की ओर से मंगलवार को प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, बीकानेर और अजमेर संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। मानसून फिर से 10 जुलाई से एक्टिव होगा और बारिश का दौर शुरू होगा। इसके मद्देनजर 10 जुलाई को प्रदेश के 9 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

@ सवाई माधोपुर

वर्षा का दौर चला तो तापमान घटा

बारिश के बाद श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में लोगों को गर्मी से राहत मिली। यहां शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को पारा गिरकर 32 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। चूरू, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर के तापमान में भी 3 से लेकर 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई। इन शहरों में शनिवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नजदीक था, जो रविवार को गिरकर 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच आ गया।

22 बड़े बांधों में अब तक सिर्फ 46.64% पानी की आवक

जानकारी के अनुसार प्रदेश के 22 बड़े बांधों में केवल 46.64 प्रतिशत पानी की ही आवक हुई है। इन बांधों की क्षमता 8104.66 एम.क्यूएम है, जबकि इनमें पानी 3780.111 एम.क्यूएम ही है। जयपुर का रामगढ़, छापरवाड़ा और कालख सागर सूखे पड़े हैं। वहीं, डीग के सिकरी बंध, पाली के सरदारसमंद भी सूखे पड़े हैं। बूंदी का गुढ़ा बांध, पाली का जवाई बांध, भीलवाड़ा का मेजा बांध, बांसवाड़ा का होरा बांध में नाममात्र का पानी है। जाहिर है, मारवाड़, ढूंढाड़ व मेवाड़ अंचल के बांधों में पानी की आवक बहुत कम हुई है, जबकि हाड़ौती अंचल में कोटा और बांसवाड़ा जोन के बांधों में अब तक पर्याप्त पानी आ चुका है।

कई नदियों में बढ़ा जलस्तर, सड़क मार्ग हुए अवरुद्ध

पूर्वी राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से बनास, पार्वती समेत अन्य बरसाती नदियों का जलस्तर बढ़ गया। बनास नदी में पानी आने से सवाई माधोपुर के शिवाड़ एरिया का संपर्क सवाई माधोपुर शहर से कट गया। सवाई माधोपुर-शिवाड़ रोड से क्रॉस कर रही बनास नदी की रपट पर कल पानी बहने लगा। इससे वाहनों की आवाजाही रुक गई।

जरूरी खबर

पेंशनर्स को राज्य सरकार ने प्रदान की बड़ी राहत

जयपुरः राज्य सरकार ने पेंशनर्स/फैमली पेंशनर्स के लिए बड़ी राहत दी है। सरकार 1 अगस्त से अर्न पेंशन एडवांस ड्रॉल एक्सेस स्कीम कर रही है। किसी 1 माह में एडवांस राशि कुल पेंशन राशि से 50% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। एडवांस राशि की अगले 3 माह में 3 किस्तों में मासिक वसूली होगी। इस स्कीम के लाभ के लिए ट्रांजेक्शन फीस देनी होगी। IFMS 3.0 पर स्कीम उपलब्ध करवाई जा रही है। जिसको लेकर वित्त विभाग ने आदेश जारी किए हैं।

रोहित शर्मा व विराट समेत 15 प्लेयर्स को 5-5 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपए कैश प्राइज देने की घोषणा की थी। इस 125 करोड़ रुपए में से रोहित, विराट सहित टीम के 15 खिलाड़ियों को 5-5 करोड़ रुपए मिलेंगे, जिनमें तीन ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। चार रिजर्व खिलाड़ी बल्लेबाज रिंकू सिंह और शुभमन गिल, तेज गेंदबाज आवेश खान और खलील अहमद को भी 1-1 करोड़ रुपए मिलेंगे।

कठुआ में सैन्य वाहन पर आतंकी हमला

5 जवान शहीद, 5 घायल... दो माह में दूसरा अटैक

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार दोपहर को घटना लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव में सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले में 5 जवान शहीद हो गए, जबकि 5 घायल हैं।

पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम मचहेड़ी क्षेत्र में दोपहर साढ़े तीन बजे तलाशी ले रही थी। तभी आतंकियों ने घात लगाकर ग्रेनेड से हमला किया। साथ ही, फायरिंग भी की। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ और सर्च अभियान जारी था। एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि इस हमले में 10 जवान घायल हुए थे। इनमें से पांच की जान चली गई, 5का अभी इलाज चल रहा है।

4 मई को पुंछ में भी हुआ सेना के वाहन पर हमला

यह 2 महीने में सेना के वाहन पर दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले 4 मई को पुंछ के शाहसितार इलाके में एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं।

7 को हुआ था आर्मी कैंप पर हमला

दो दिन में यह सेना पर दूसरा हमला है। रविवार (7 जुलाई) को आतंकियों ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में एक आर्मी कैंप पर हमला किया था।

भजनलाल सरकार के ऐलान पर अमल

RPSC ने जारी किया 2025 की परीक्षाओं का कैलेंडर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में भाजपा सरकार के सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री भजनलाल ने ऐलान किया था कि तमाम प्रतियोगी परीक्षाएं समयबद्ध होंगी और गड़बड़ियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम की इस घोषणा पर अमल करते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सोमवार को 2025 के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। परीक्षाओं का आयोजन वर्ष 2025 में 25 जून से 30 जुलाई तक किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार कनिष्ठ रसायनज्ञ (भूजल विभाग परीक्षा) 25 जून 2025, सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (PWD) संवीक्षा परीक्षा 26 जून 2025 और सहायक निदेशक (S&T) परीक्षा 27 जून 2025 को कराना प्रस्तावित है। उप कारापाल (जेल) परीक्षा 13 जुलाई 2025 और उपाचार्य/अधीक्षक, ITI परीक्षा 30 जुलाई 2025 को कराना प्रस्तावित है। विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी होगा।

RAS मुख्य परीक्षा इसी माह 20-21 को

मेहता ने बताया कि आरपीएससी की परीक्षाओं का दौरा जारी है। 14 जुलाई को विधि रचनाकार परीक्षा 2024 का आयोजन होगा। इसी प्रकार आगामी 20 से 21 जुलाई को आरएएस मुख्य परीक्षा 2023 का आयोजन होगा। इसमें 972 पदों के लिए 19 हजार 349 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं, 3 और 4 अगस्त 2024 को आर्काइव डिपार्टमेंट रिक्रूटमेंट का आयोजन होगा। असि.स्टेटिकल ऑफिसर (कृषि विभाग) 2024 का आयोजन 25 अगस्त को होगा।

इन परीक्षाओं का आयोजन अगले साल

लाइब्रेरियन ग्रेड द्वितीय (स्कूल शिक्षा) परीक्षा 2024 का आयोजन 16 फरवरी 2025 को होगा। इसमें 300 पदों पर भर्ती होगी। पीआरओ परीक्षा 2024 का आयोजन 23 मार्च 2025 को होगा। एग्रीकल्चर ऑफिसर परीक्षा 2024 का आयोजन 20 अप्रैल 2025 को होगा। इसी प्रकार पीटीआई और लाइब्रेरियन (संस्कृत कॉलेज शिक्षा) परीक्षा 2024 का आयोजन 4 से 6 मई 2025 को होगा। इसमें 40 पदों के लिए 12 हजार 173 अभ्यर्थी पंजीकृत है।

नीट पर सुनवाई के दौरान CJI की टिप्पणी...

जस्टिस जे बी पारदीवाला | चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ | जस्टिस मनोज मिश्रा

'शुचिता से समझौता हुआ तो कराना होगा री-एग्जाम'

नई दिल्ली। नीट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई के दौरान पेपर लीक और परीक्षाओं की शुचिता और गोपनीयता पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि अगर परीक्षा की शुचिता के साथ समझौता हुआ है तो री-एग्जाम का फैसला देना होगा। अगर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से पेपर लीक हुआ है तो ये जंगल में आग की तरह फैलता है। सीजेआई ने एनटीए से पूछा कि 720 अंक जिन छात्रों को मिले, उनमें से कितने को ग्रेस मार्क मिले, इसकी डिटेल दें। अगर हम गलत काम करने वाले की पहचान नहीं कर सकते, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। जिन छात्रों को 720 अंक मिले हैं उनमें से खतरे का संकेत तो नहीं?

अदालत ने एनटीए को गड़बड़ी से फायदा उठाने वाले कैंडिडेट्स की जानकारी देने और सीबीआई को जांच का अब तक का अपडेट देने को कहा है। वहीं, केंद्र सरकार से एनटीए में सुधार के लिए बनी एक्सपर्ट कमेटी की जानकारी मांगी है। इसके अलावा री-एग्जाम की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं से अधिकतम 10 पेज की रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

स्पेस में स्ट्रगल

अंतरिक्ष में फंसी हैं सुनीता विलियम्स, धरती पर लाने की कवायद

- तकनीकी खराबी के चलते बार-बार बदलीं वापस लौटने की तारीखें
- अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर में खराबी के कारण वापसी मिशन रुका
- मिशन 12 जून तक ही था, उसके बाद बीत गए 26 दिन

एजेंसी | वाशिंगटन

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ अंतरिक्ष में फंस गई हैं। तकनीकी खराबी के चलते बार-बार उनके वापस लौटने की तारीखों को बदला जा रहा है।

बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर में खराबी के बाद वापसी का मिशन रोक दिया गया है। दोनों अंतरिक्ष यात्री 5 जून को रवाना हुए थे। इनका मिशन भी केवल 7 दिन का ही था, लेकिन अब एक महीने से ज्यादा का टाइम हो चुका है।

ऐसे ला सकते हैं वापस

अब उन्हें वापस कैसे लाया जाएगा। इस बारे में अंतरिक्ष सिस्टम के जानकार पैट्रिक कहते हैं कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रेस्क्यू अभियान की बात करना अनावश्यक है। पहले तो यह समझना होगा कि स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में आईएसएस पहुंचे अंतरिक्ष यात्री फंसे नहीं है, ना ही पहले से मौजूद 7 दूसरे अंतरिक्ष यात्री फंसे हुए हैं। पैट्रिक ने बताया कि स्टारलाइनर यात्रियों के साथ पृथ्वी पर लौटने में सक्षम है। आईएसएस पर डॉक किए 2 अन्य अंतरिक्ष यान भी यात्रियों को पृथ्वी पर वापस ला सकता है। स्टारलाइनर के थ्रस्टर में खराबी और हीलियम लीक के बाद नासा की टीम डेटा तैयार कर रही है, जिसके चलते उनकी वापसी में देरी हो रही है।

रेस्क्यू ऑपरेशन की जरूरत नहीं

पैट्रिक ने कहा कि सभी यात्री आने में सक्षम हैं और स्पेसक्राफ्ट भी उन्हें ला सकता है, लेकिन अभी नासा कुछ डेटा तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्टारलाइनर के डिजाइन में कई बैकअप सिस्टम हैं, जिसने उन्हें स्पेस स्टेशन तक पहुंचाया है, लेकिन बैकअप सिस्टम के साथ बाकी चीजों को भी समझने की जरूरत है। इसी का डाटा तैयार कर नासा चीजों को समझ रहा है। ऐसी स्थिति में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने की जरूरत नहीं है।

कब तक लौटेंगी सुनीता?

स्पेस से वापस धरती पर सुनीता विलियम्स और उनके साथी कब लौटेंगे, इसको लेकर नासा की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। नासा के मुताबिक इस मिशन को 45 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। अनुमान के मुताबिक सुनीता और उनके साथी की वापसी जुलाई महीने के अंत तक हो सकती है। नासा की टीम लगातार सभी तकनीकी खामियों को दूर करने और उनको समझने का प्रयास कर रही है।

जरूरी खबर

पूर्व विधायक अवाना के खिलाफ केस दर्ज

जयपुर। भरतपुर जिले के उच्चैन थाने में नदबई के पूर्व विधायक जोगिंदर अवाना के खिलाफ उन्हीं के निजी सहायक ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। निजी सचिव ने पूर्व विधायक अवाना पर बेटी की रीट परीक्षा पास कराकर नौकरी लगवाने के नाम पर 10 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है, वहीं 5 साल तक वेतन नहीं देने और लाखों रुपए बकाया नहीं देने का भी आरोप लगाए। उच्चैन की जुगला पट्टी निवासी अतर सिंह ने पूर्व विधायक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

समयबद्ध सीमा में भर्ती के संबंध में बैठक आज

जयपुर। प्रक्रियाधीन भर्ती परीक्षाओं को समयबद्ध सीमा में करने एवं भर्ती परीक्षाओं को त्वरित रूप से निर्धारित किए जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देशों के क्रम में 9 जुलाई को प्रमुख शासन सचिव (कार्मिक विभाग) की अध्यक्षता में बैठक होगी। इसमें आरपीएससी तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव भी भाग लेंगे। सचिव ने बताया कि बैठक में राजस्थान लोक सेवा आयोग तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आगामी वर्ष में आयोजित की जाने वाली विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की तिथियों, उनसे संबंधित परीक्षार्थियों, हितधारकों एवं अन्य भर्ती संस्थाओं की परीक्षाओं की क्लेशिंग पर विचार कर परीक्षाओं को यथासंभव शीघ्र कराने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

सांसद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक

जयपुर। जालोर संसदीय क्षेत्र के सांसद लुम्बाराम चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इसमें उन्होंने राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रगतिरत कार्यों में गति लाते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के साथ ही विभागीय अधिकारियों को जवाबदेही होकर संवेदशीलता के साथ जन समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद ने विद्युत, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों को विशेष प्राथमिकता के साथ समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि खनन विभाग अवैध बजरी खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें तथा राज्य सरकार के नवीन निर्देशानुसार बजरी लीज के लिए क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर आवंटन के लिए राज्य सरकार को भिजवाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा में 132केवी एवं 33केवी जीएसएस का लोकार्पण

योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा क्षेत्र का विकास: बिरला

बेधड़क | जयपुर/कोटा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लि. द्वारा 20 करोड़ रुपए की लागत से बोरखेड़ा में निर्मित 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन एवं कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (केईडीएल) द्वारा करीब तीन करोड़ रुपए की लागत से काला तालाब में निर्मित 33 केवी जीएसएस का लोकार्पण किया।

लोकार्पण के बाद सभा को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि बोरखेड़ा के शहरी क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के विद्युत की नियमित आपूर्ति में यह जीएसएस मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र में डबल इंजन की सरकार है और अगले पांच साल में कोटा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिना बाधा के बिजली उपलब्ध होगी। केईडीएल को विद्युत आपूर्ति सुव्यवस्थित करने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने के संबंध में आगाह किया गया है।

उन्होंने कहा कि कोटा की जनता ने तीसरी बार सांसद चुनकर भेजा है और मुझे दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। जनता के इस भरोसे को कायम रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से क्षेत्र का बिना किसी भेदभाव के विकास किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने बोरखेड़ा में 132 केवी जीएसएस स्थापित करने के लिए राज्य सरकार एवं ऊर्जा मंत्री को धन्यवाद दिया। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि 132 केवी जीएसएस की स्थापना से बोरखेड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुचारू होगी। साथ ही ट्रिपिंग एवं बिजली कट की समस्या का समाधान होगा।

छीजत में आएगी कमी, प्रसारण तंत्र होगा सुदृढ़: ऊर्जा मंत्री

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि पिछली सरकार के समय में प्रदेश में विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नया प्रसारण तंत्र विकसित करने एवं प्रसारण लाइनों के विस्तार पर ध्यान नहीं दिया गया। ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध नहीं होने से किसानों को डिमांड नोट जारी करने के बाद भी कनेक्शन नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि बचे हुए कृषि कनेक्शन एवं जहां ट्रांसफॉर्मर नहीं लगे हैं, वहां ट्रांसफॉर्मर लगाकर किसानों को राहत दी जाएगी। नागर ने कहा कि 132 केवी जीएसएस से नए कोटा विशेषकर बारां रोड, दसलाना, कोटा जंक्शन एवं इससे जुड़े इलाकों में बिजली की बेहतर आपूर्ति हो सकेगी, छीजत में कमी आएगी, कम वोल्टेज की कमी दूर होगी और प्रसारण तंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि कोटा शहर की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिए केईडीएल द्वारा बजाज नगर कुन्हाड़ी, स्वामी विवेकानन्द नगर एवं मीरा बाई आवासीय योजना में तीन नए 33 केवी जीएसएस निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

संसदीय कार्य मंत्री बोले- मुद्दों से ध्यान भटका रही है कांग्रेस

'भजनलाल सरकार के ऐतिहासिक कार्यों से कांग्रेस पार्टी में बौखलाहट'

बेधड़क | जयपुर

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के शैडो कैबिनेट बनाने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के विधायक दल में कोई तालमेल नहीं है। सदन के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच वर्चस्व को लेकर लड़ाई चल रही है, वहीं कांग्रेस के विधायक नेता प्रतिपक्ष को अपना नेता ही नहीं मानते ऐसे में शैडो कैबिनेट कितनी सफल होगी आप अंदाजा लगा सकते हैं।

भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार निरंतर जनहित में ऐतिहासिक फैसले ले रही है। कांग्रेस की वाकई जनहित करने की मंशा है तो सदन में सत्ता पक्ष का जनहित के मामलों में समर्थन करे और सदन की कार्यवाही में सहयोग करे। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस केवल सदन की कार्यवाही में व्यवधान पहुंचाने और विकास कार्यों से जुड़े विधेयकों को अटकाने के लिए शैडो कैबिनेट बनाती है तो हम इसका पुरजोर जवाब देंगे।

जब कांग्रेस सत्ता में थी तब कांग्रेस के मंत्री जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाए। कांग्रेस सरकार के मंत्री खुद अपनी सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे और मुख्यमंत्री गहलोत ने चुप्पी साधे रखी। जब प्रदेश की भजनलाल सरकार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए दिन-रात जुटी है। इस वजह से कांग्रेस के नेताओं में बौखलाहट है।

जनता की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई कांग्रेस

जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को बहुमत देकर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस जनता की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। पिछले पांच साल प्रदेश में अराजकता का माहौल किसी से छिपा नहीं है। युवा, किसान, महिलाएं और दलितों पर पिछले पांच सालों में जमकर अत्याचार हुए और कांग्रेस आपसी फूट और गुटबाजी में उलझी रही। पूर्व की कांग्रेस सरकार में पूरे पांच साल पेपर लीक और महिला अत्याचार के मामलों से प्रदेश की देशभर में चर्चा रही।

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा...

PM के बयान को विपक्ष ने गलत प्रचारित किया

बेधड़क | जयपुर

अल्पसंख्यक समाज को साधने के लिए अब भाजपा देशव्यापी अभियान चलाएगी। जयपुर दौरे पर आए अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि चुनाव के दौरान पीएम मोदी के बयान को विपक्ष ने गलत तरह से प्रचारित कर समाज को गुमराह करने का काम किया। पीएम मोदी ने कभी भी देश के अल्पसंख्यक समाज के लिए कोई बयान नहीं दिया, उनका बयान घुसपैठियों के लिए था।

एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को जयपुर आए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख कार्यकर्ताओं से संवाद किया और आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जमाल सिद्दिकी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी समाजों को साथ लेकर चलने का काम किया है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा दिया। राजनीति में लोगों ने पीएम के वक्तव्य को तोड़ मरोड़कर बोला। पीएम ने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ न बोला है और ना ही कोई काम किया।

उन्होंने कहा कि देश में सपा, बसपा और कांग्रेस पार्टी मुस्लिमों को ठगने का काम कर रही है। हम केंद्र सरकार की योजनाएं लेकर मुस्लिम समाज के बीच जाएंगे और उन्हें गुमराह होने से बचाएंगे।

सपा-बसपा और कांग्रेस ने मुस्लिमों को ठगा

जमाल सिद्दिकी ने मुस्लिमों को वोट बैंक समझे जाने पर कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा को मुस्लिमों की पार्टी कहा जाता है। अखिलेश यादव सांसद बने तो यूपी में नेता प्रतिपक्ष का पद मुस्लिमों को मिलना चाहिए था। महाराष्ट्र में सपा, बसपा या एलायंस के दलों ने एक भी टिकट मुस्लिमों को नहीं दिया। किसी ने इन दलों से नहीं पूछा कि एक भी टिकट क्यों नहीं दिया गया। सिद्दीकी ने कहा कि सपा बसपा कांग्रेस मुस्लिमों को ठगने का काम किया है। यह लोगों के जेहन में बैठ गया है। हम प्रयास करेंगे कि हमारे मुस्लिम भाई गुमराह न हो, इसके लिए प्रशिक्षित करेंगे। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अल्पसंख्यक समाज ने हमें कम आशीर्वाद दिया है। इस कमी को इस बार पूरा करेंगे। समाज में अच्छी तरह से संपर्क बनाएंगे और संवाद करेंगे।

बधाई और शुभकामनाएं दी

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया स्मारिका का विमोचन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भरतपुर के 291वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रकाशित स्मारिका का सोमवार को विधान सभा में विमोचन किया। देवनानी ने ब्रजभाषा के वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल लाल गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक महाभारत भाग दो का भी विमोचन किया। देवनानी ने स्मारिका और पुस्तक प्रकाशन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा, महासचिव डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता, संपादन मंडल के सदस्य विनोद गेरा, राजेंद्र राज, जगदीश गुप्ता, हरेंद्र चीमा और अजय नागर उपस्थित थे। स्मारिका के मुख्य पृष्ठ पर लोहागढ़ दुर्ग एवं सुजान गंगा नहर तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान का चित्र है। स्मारिका में मुख्यमंत्री पद और भरतपुर के संदर्भ में जगन्नाथ पहाड़िया एवं भजनलाल शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित किया गया है।

'PM मणिपुर का दौरा कर लेते तो नहीं झेलनी पड़ती आलोचना'

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर पहुंचकर हिंसाग्रस्त इलाकों में पीड़ितों से मुलाकात की। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मणिपुर के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और एनडीए सरकार पर फिर से निशाना साधा है। इसके साथ ही युवाओं के मुद्दों को लेकर अशोक गहलोत ने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर भी निशाना साधा है।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि विपक्ष की भूमिका क्यों महत्वपूर्ण हो जाती है, यह हम इस घटना से समझ सकते हैं। राहुल गांधी लगभग पिछले एक वर्ष से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मणिपुर दौरे की मांग कर रहे थे और उनके मणिपुर न जाने की आलोचना

लिखा, कई युवाओं व एक्टिविस्ट ने बताया कि वो बेरोजगारी भत्ता, रोजगार, राजीव गांधी युवा मित्र बहाली, भर्तियों की घोषणा जैसे मुद्दों पर जयपुर में धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं. प्रशासन उन्हें सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दे रहा है। धरना प्रदर्शन के लिए आरक्षित शहीद स्मारक से भी उन्हें बार-बार बल-प्रयोग कर भगा दिया जाता है। यह उचित नहीं है। लोकतंत्र में अपने हक के लिए शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन जनता का अधिकार है।

भारत सोलर कंपोनेंट एक्सपो में बोले ऊर्जा मंत्री...

राजस्थान अब बनेगा सोलर ऊर्जा के उपकरणों का हब: हीरालाल नागर

बेधड़क | जयपुर

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा है कि राज्य सरकार राजस्थान को सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही सौर उपकरणों के विनिर्माण का केंद्र बनाने का प्रयास कर रही है। नागर ने सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से आयोजित भारत सोलर कंपोनेंट एक्सपो में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार प्रदेश में सोलर सेक्टर को बढ़ावा दे रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब बने। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सोलर उपकरण विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमी सुझाव दें, जिनके आधार पर नीति एवं नियमों में संशोधन की आवश्यकता हुई तो उन पर भी सरकार प्राथमिकता से विचार करेगी।

सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ही सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स के लगने से सोलर पैनल, सोलर केबल, एलुमिनियम स्ट्रक्चर आदि की निर्माण लागत में कमी आएगी और युवाओं को इस उभरते सेक्टर में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है और हमारे प्रदेश में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य कैबिनेट द्वारा हाल ही में किए गए अक्षय ऊर्जा नीति-2023 तथा राजस्थान भू-राजस्व नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि अब प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डीएलसी दर के साढ़े सात प्रतिशत पर भूमि का आवंटन किया जा सकेगा। इससे हमारे यहां प्रचुर मात्रा में प्रकृत्ति प्रदत्त सोलर रेडिएशन का उपयोग तो होगा ही, सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

10 हजार करोड़ के प्रस्ताव

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए आरडीएसएस योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं, जिससे नए 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण तथा फीडर सुधार जैसे कार्यों को गति मिलेगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति संभव होगी। नागर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में सस्ती बिजली सुलभ कराने के उद्देश्य से कुसुम योजना को गति दे रही है. उन्होंने बताया कि सरकार बनने के कुछ ही माह में इस योजना के तहत फीडर स्तर के सोलराइजेशन के लिए करीब 4468 मेगावाट के कार्यादेश दिए जा चुके हैं. जल्द ही इस योजना में 5 हजार मेगावाट के प्लांट और आने की प्रक्रिया में हैं. इस योजना से जुड़कर किसान अपनी अनुपजाऊ भूमि का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में कर पा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम राजस्थान में पीएम सूर्यघर योजना के तहत 5 लाख घरों में रूफ टॉप सोलर लगाने के काम को भी गति दे रहे हैं।

जरूरी खबर

दो ट्रक सामान जब्त और 57 हजार का चालान

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ट्रक सामान जब्त और 57 हजार रुपए का चालान किया। हेरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा के दस्ते ने कार्रवाई करते हुए बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार से घाटगेट बाजार तक अभियान चला कर अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान सहायक राजस्व निरीक्षक जगदीश सिराधना के नेतृत्व में दस्ते ने दो ट्रक सामान जब्त किया और 57 हजार रुपए का सामान जब्त किया।

100 यात्रियों का जत्था बाबा अमरनाथ के लिए रवाना

जयपुर। बाबा अमरनाथ जाने के लिए 100 यात्रियों का जत्था सोमवार को जयपुर से रवाना हुआ। यात्रियों के जत्थे को दो वातानुकूलित बसों में होटल सफारी से भोजन प्रसादी कराकर सफारी ग्रुप के चेयरमैन राम अवतार गोयल, गोपालपुरा बायपास व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक प्रमोद गोयल एवं अध्यक्ष पवन गोयल और गोयल परिवार ने ध्वज दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व अमरनाथ यात्रा के संयोजक मनमोहन शर्मा व सभी यात्रियों का स्वागत किया गया। उधर सोमवार को ही एक और जत्था मोती डूंगरी मंदिर से रवाना हुआ। सुबह पूजा अर्चना कर मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर से 15 बसों में करीब 450 यात्री अमरनाथ यात्रा के लिए निकले। यात्रा संयोजक महेश खंडेलवाल और सह संयोजक गोविंद सिंह ने श्रद्धालुओं का माला पहनाकर स्वागत किया।

हेरिटेज निगम ने जयपुर को स्वच्छ बनाने में सहयोग कर रहे संगठनों को किया सम्मानित

30 सामाजिक संस्थाओं को स्वच्छता चैम्पियंस का खिताब

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम हेरिटेज की ओर से जयपुर को स्वच्छ बनाने में सहयोग कर रहे स्वच्छता चैम्पियंस का सम्मान किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता चैम्पियंस ने हेरिटेज निगम के साथ मिलकर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अपने विचार भी प्रस्तुत किए। हेरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बताया कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए हेरिटेज निगम के साथ कई सामाजिक संगठन और एनजीओ भी सहयोग कर रहे हैं। ऐसे में सोमवार को 30 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को स्वच्छता चैम्पियंस के खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयुक्त अभिषेक सुराणा ने सभी संगठनों से उनके कामकाज की जानकारी ली, साथ ही शहर को प्लास्टिक फ्री बनाने, कचरा मुक्त बनाने और लोगों में स्वच्छता की जागरूकता आएं, इसके लिए नवाचार के सुझाव भी लिए।

शहर को कचरा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी निभाएंगे

एनजीओ से आए हुए प्रतिनिधियों ने भी हेरिटेज निगम के साथ शहर को कचरा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी निभाने की बात कही। कार्यक्रम में उपायुक्त स्वास्थ्य सोहन सिंह नरूका ने भी प्लास्टिक के उपयोग नहीं करने के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर हेरिटेज निगम की ब्राण्ड एम्बेसेडर कर्णिका बाई और मोना गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सोनिया अग्रवाल, पीआईयू टीम भी मौजूद रही।

इन्हें बनाया स्वच्छता चैम्पियंस

आत्मनिर्भर एनजीओ, नई उमंग, वर्क संस्था, महावीर इंटरनेशनल, होटल एसोसिएशन, पोद्दार संस्थान, सी-फार, प्रथम कदम, ग्राम भारती समिति, भूमिका संस्था, फिनिश सोसयटी, ग्रीन फॉरेस्ट फाउण्डेशन, हेनीमेन चेरिटेबल संस्था, जयपुर बाइटस्, हुमा खान, भावना सेंगर।

20 माह बाद हुई ग्रेटर निगम की कार्यकारी समिति की बैठक में फैसला

मकान-दुकानों के पट्टों की पेंडिंग 1 माह में होगा फाइलों का निस्तारण

ग्रेटर एरिया में बिना कमर्शियल पट्टे वाली मीट की दुकानें कराई जाएंगी बंद

बेधड़क | जयपुर

ग्रेटर नगर निगम में लम्बित पड़े पट्टों के आवेदनों का एक माह में निस्तारण किया जाएगा। साथ ही ग्रेटर एरिया में कॉमर्शियल लीजडीड (पट्टा) के बिना संचालित मीट की दुकानों को बंद किया जाएगा।

ये निर्णय ग्रेटर की सोमवार को 20 माह बाद हुई कार्यकारी समिति की बैठक में लिए गए। मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि अब केवल उन्हीं दुकानों को नया लाइसेंस या लाइसेंस का नवीनीकरण किया जाएगा, जिनके पास संपत्ति (दुकान) का कॉमर्शियल पट्टा होगा। मेयर ने बताया कि शिकायतें मिल रही हैं कि रिहायशी इलाकों के पास मीट की अवैध दुकानें (आवासीय में बनी दुकानें) संचालित हैं। इससे वहां रहने वाले लोगों को परेशानी होती है। इसे देखते हुए कार्यकारी समिति के सदस्यों ने ऐसी दुकानों पर कार्यवाही करने और उनके लाइसेंस निरस्त करने का प्रस्ताव दिया था। नगर निगम ग्रेटर के अधिकारियों के मुताबिक जयपुर ग्रेटर एरिया में अभी 300 मीट की दुकानों के लाइसेंस जारी कर रखे हैं। जबकि 100 दुकानों के लाइसेंस के आवेदन पेंडिंग है।

2700 से भी अधिक फाइलें पेंडिंग

मेयर ने बताया कि समिति के अधिकतर सदस्यों के अलावा कई पार्षदों का प्रस्ताव आया है कि उनके एरिया के मकान, दुकानों के पट्टों की फाइलें नगर निगम के जोन ऑफिस और मुख्यालय में पेंडिंग हैं। इनकी संख्या 2700 से भी अधिक है। इसे देखते हुए हमने इन सभी फाइलों का डिस्पोजल एक माह में करने का फैसला किया है। मेयर ने बताया कि सभी फाइलों की चैक लिस्ट तैयार करके उनमें क्या कमी रह गई, उसको 15 दिन के अंदर पूरा करवाया जाएगा और उसके बाद अगले 15 दिन में फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया की जाएगी।

एनओसी में देरी का भी मुद्दा उठा

बैठक में फायर एनओसी में हो रही देरी का भी मुद्दा उठा। इसमें बताया कि निगम में फायर शाखा में सालों से फायर एनओसी की फाइलें पेडिंग रहती है, लेकिन उनका निस्तारण नहीं होता। सर्वे के लिए फायर ऑफिसर टीम तक नहीं भेजते। इस पर सभी ने सर्व संपत्ति से निर्णय करते हुए फायर एनओसी के लिए सर्वे का काम आवेदन के 2 माह के अंदर हर हाल में करवाने का निर्णय किया।

लापरवाहों पर होगी कार्रवाई

बैठक में लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि जिन अधिकारियों के पास लम्बे समय से फाइल पेंडिंग हैं, उनकी जांच करवाई जाएगी कि किन कारणों से निस्तारण में इंतना टाइम लग रहा है। इस दौरान यदि अधिकारी की लापरवाही मिली तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

टोंक रोड का नाम बदलने पर नहीं लग सकी मुहर

वहीं, एग्जीक्यूटिव कमेटी के सामने अजमेरी गेट से निगम क्षेत्राधिकार तक मुख्य टोंक रोड के नाम को बदल कर भैरोंसिंह शेखावत करने के प्रस्ताव पर अंतिम मोहर नहीं लग सकी। कमेटी सदस्यों की ओर से भैरोंसिंह शेखावत के नाम पर मुख्य मार्ग का नाम रखने के प्रस्ताव आए थे, लेकिन अजमेरी गेट से रामबाग सर्किल तक मुख्य मार्ग का नाम पहले ही सवाई राम सिंह के नाम से है, ऐसे में उन्हें भुलाया नहीं जा सकता है। किसी भी विरोधाभास स्थिति में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लिया जाएगा। महापौर ने बताया कि पार्कों को गोद देने का प्रस्ताव रखा गया। इसे लेकर एक कमेटी भी गठित की गई। इनके माध्यम से गुण-अवगुण के आधार पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया जाएगा। इससे विकास समिति, व्यवसायिक संगठन और एनजीओ जयपुर के साथ जुड़ाव होगा और निगम का आर्थिक भार भी कम होगा। ग्रेटर निगम में 2950 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, जो क्षेत्र की दृष्टि से बहुत कम हैं। ऐसे में अब कोई भी सफाई कर्मचारी ऑफिस में लिपिक के तौर पर या किसी अन्य पद पर काम नहीं करेगा, वो सिर्फ जोन और वार्ड में सफाई का काम ही देखेगा।

आरएमएससी की कार्रवाई

दवा के नमूने अमानक मिले, पांच फर्मों पर प्रतिबंध

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने विभिन्न पांच दवाओं के नमूने अमानक एवं 33 दवाओं की आपूर्ति नहीं किए जाने पर विभिन्न कम्पनियों को आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया है। ये कंपनियां एक, दो अथवा तीन वर्ष तक टेंडर में भाग नहीं ले सकेंगी।

आरएमएससी की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि मै. साई पैरेंट्रलस को हेपरिन सोडियम इंजेक्शन, मै. मेडीपोल फार्मास्यूटिकल को एनालाप्रिल मेलियट टेबलेट, मै. मेक्का इंडस्ट्रीज को यूरिन बैग के नमूने अमानक पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति के लिए निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है। इसी प्रकार मै. डी.डी. फार्मास्युटिकल्स को एल्प्राजोलम टेबलेट तथा मै. सन लाइफ साइंसेज को सैफूरोक्सिम एक्सेटिल टेबलेट के नमूने अमानक पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया गया है। गिरि ने बताया कि औषधियों को 22 दवा फर्मों मेसर्स यूनिसुर लाइफकेयर, सेंचुरियन रेमेडीज, डॉ. सर्जिकल, फ्लेक्सीकेयर मेडिकल इंडिया, एफी पैरेंट्रल्स, सनलाइफ साइंस, ओलकेयर लेबोरेटरीज, इंटास फार्मास्यूटिकल्स, थिओन फार्मास्यूटिकल्स, कॉसमास रिसर्च लैब, बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स इंटरनेशनल, टेलीफ्लेक्स मेडिकल, एलर्जेन हेल्थकेयर, एडवी केमिकल, एसपी एक्योर लैब्स, अल्वेस हेल्थकेयर, एलायंस बायोटेक, इनोवा कैपटैब, एएनजी लाइफ साइंसेज, स्टैनेक्स ड्रग्स एंड केमिकल्स, जे डंकन हेल्थकेयर, मेडिपोल फार्मास्यूटिकल्स के द्वारा दवाओं की निर्बाध/निरंतर आपूर्ति नहीं किए जाने पर 33 दवाओं की आपूर्ति हेतु निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

पंचायती राज विभाग में व्यावहारिक समस्याओं के निदान पर चर्चा

पंचायतें चलाएंगी जल जीवन मिशन!

बेधड़क | जयपुर

पंचायती राज विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित पेयजल योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के समग्र नियंत्रण में देने पर विस्तार से चर्चा की गई।

संचालन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के निदान के संबंध में सरपंच, जलदाय विभाग, पंचायती राज विभाग एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने अपने विचार, समस्याएं एवं समाधान साझा किए। सरपंच संघ द्वारा इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि वर्तमान में आबादी के प्रत्येक घर को जल नहीं मिल रहा है। कुछ घरों पर जल के कनेक्शन तो हो गए हैं, लेकिन गांव के आखिरी छोर पर बने मकानों, कुछ ऊंचाई पर अन्य मकानों में पानी की आपूर्ति कम हो पा रही है।

गौरतलब है कि वर्तमान में जलदाय विभाग द्वारा जिन योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में संचालन किया जा रहा है, उनकी व्यवस्थाओं का अध्ययन पंचायतों द्वारा किया जा रहा है।

सिम से गलत ट्रांजेक्शन का आरोप लगाकर पूर्व जज से ठगी

डराकर 2 लाख रु. खाते में डलवाए

बेधड़क | जयपुर

बदमाश ने दूरसंचार अधिकारी सिम के जरिए गलत ट्रांजेक्शन का आरोप लगाते हुए 2 लाख रुपए की ठगी कर ली। धोखाधड़ी का अहसास होने पर उन्होंने वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। वैशाली नगर सीआई रविन्द्र सिंह ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एस चौधरी (76) की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया कि 5 जुलाई को दोपहर 1 बजे उनके पास फोन आया। इसमें फोन करने वाले ने खुद को राहुल तिवारी बताया। आरोपी ने कहा- वह दूरसंचार अधिकारी हैं। उनके नाम से एक मोबाइल सिम मुंबई में चल रही है। इससे गलत ट्रांजेक्शन हुए हैं। पीड़ित ने आरोपी को बताया कि वह कभी मुंबई नहीं गया। ऐसे में आरोपी ने उन्हें धमकाना शुरू किया। कहा कि अगर आप सही बोल रहे हैं तो इस खाते में 2 लाख रुपए भेज दीजिए। आप की बात सही निकली तो पैसा वापस आपके खाते में आ जाएगा। इस पर पीड़ित अपने पास के बैंक में गए। आरोपी द्वारा बताए गए खाते में पैसा डाल दिया। बदमाश ने आश्वासन दिया कि वह पैसा दोबारा उनके खाते में डाल दिया जाएगा, लेकिन पैसा नहीं आया।

एयरवेज क्रू मेंबर की लापरवाही

व्हील चेयर मांगती रही बुजुर्ग, प्लेन में छोड़कर चला गया स्टाफ

बेधड़क | जयपुर

जयपुर से दिल्ली गई अलायंस एयरवेज की फ्लाइट में सवार एक बीमार बुजुर्ग महिला को स्टाफ प्लेन में ही छोड़कर चला गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद महिला को व्हीलचेयर की जरूरत थी।

स्टाफ ने व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं करवाई। बुजुर्ग महिला को एयरक्राफ्ट में ही छोड़ दिया। मामला रविवार रात का है। अलायंस एयरवेज की फ्लाइट 91644 को जयपुर से शाम 7.35 बजे दिल्ली के लिए रवाना होना था। फ्लाइट एक घंटे देरी से रवाना हुई। इस फ्लाइट से शशिकला गोस्वामी (86) अपने बेटे सुशील गोस्वामी के साथ जयपुर से दिल्ली जा रही थी। सुशील गोस्वामी ने बताया- फ्लाइट रात 9:22 बजे दिल्ली पहुंची। दिल्ली पहुंचने के बाद मैंने क्रू मेंबर से व्हीलचेयर की मांग की। स्टाफ ने व्हीलचेयर उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया, लेकिन वे वहां से चला गया। पूरा विमान खाली हो गया। मैं और मेरी मां प्लेन में अकेले बैठे रहे।

छीनकर लानी पड़ा व्हीलचेयर

सुशील गोस्वामी ने बताया कि मां शुगर के साथ पार्किंसंस की बीमारी से पीड़ित हैं। चलने-फिरने में काफी तकलीफ रहती है। करीब 15 से 20 मिनट तक प्लेन में बैठे रहने के बाद एसी बंद हो गया। हमे गर्मी और घुटन होने लगी। मैं मां को जैसे-तैसे विमान से बाहर लाया। विमान के पास ग्राउंड पर खड़ा करके व्हीलचेयर लेने के लिए ग्राउंड स्टाफ के पास गया। वहां के स्टाफ ने भी मेरी मदद नहीं की। मैं लगेज वाली जगह गया। वहां रखी व्हीलचेयर लेने लगा तो स्टाफ ने मुझे रोक दिया। मैं जबरदस्ती व्हीलचेयर छीनकर लाया और मां को उस पर बैठाया।

रास्ता रोका तब स्टाफ की गाड़ी में बिठाया

गोस्वामी ने बताया कि ग्राउंड से टर्मिनल तक जाने के लिए भी हमारी किसी ने मदद नहीं की। मैंने वहां मौजूद ग्राउंड स्टाफ, सिक्योरिटी ऑफिसर से भी मदद मांगी। बस या अन्य वाहन उपलब्ध करवाने की मांग की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। तभी विमान के पायलट और को-पायलट वापस स्टाफ की कार में प्लेन के पास पहुंचे। ड्यूटी चार्ट पर साइन करके वापस जाने लगे। इस दौरान मैंने उनसे स्टाफ की गाड़ी में ले जाने की मिन्नत की। उन्होंने मना कर दिया। मैंने जबरदस्ती गाड़ी के सामने खड़े होकर विरोध जताया। कंपनी और उच्च स्तर पर शिकायत करने की बात कही, तब जाकर पायलट अपनी गाड़ी में हमे टर्मिनल तक लेकर पहुंचे।

अंडरगारमेंट में छिपाकर लाया 462 ग्राम सोना

जयपुर। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने करीब 35 लाख रुपए कीमत का 462 ग्राम तस्करी का सोना पकड़ा है। कस्टम विभाग ने यात्री को गिरफ्तार कर लिया है। यात्री अंडरगारमेंट में पेस्ट फॉर्म में सोना छुपा कर लाया था। सोना दो पैकेट में रखा हुआ था। कस्टम विभाग के कमिश्नर सुग्रीव मीणा के मुताबिक यात्री शारजाह से एयर अरेबिया की फ्लाइट में बैठकर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचा था। संदिग्ध लगने पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने यात्री को रोक कर चेकिंग की। पूछताछ करने पर यात्री संतोषपूर्वक जवाब नहीं दे पाया। यात्री की एक्स-रे मशीन से भी जांच की गई तो अंडरगारमेंट में पेस्ट फॉर्म में सोना बरामद हुआ।

जरूरी खबर

अनास नदी में डूबने से तीन बालिकाओं की मौत

बांसवाड़ा। जिले के आनंदपुरी थाना क्षेत्र में गांव डोकर के खराडीपाड़ा में नदी में डूबने से दो सगी बहनों सहित तीन बालिकाओं की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मवेशी चराने गई ये बालिकाएं रविवार दोपहर बाद गांव के समीप अनास नदी के किनारे गई थी। बताया गया कि पैर फिसलने से पानी में गिर गई थी। घटना के समय मौजूद एक अन्य बालिका ने इसकी सूचना गांव में दी। ग्रामीणों ने तीनों को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

बीकानेर-साईनगर शिर्डी विशेष ट्रेन के दो फेरे निरस्त

कोटा। कोटा मंडल से होकर चलने वाली बीकानेर-साईनगर शिर्डी विशेष रेलगाड़ी के दो फेरे निर्माण कार्य के चलते निरस्त किए गए हैं। कोटा मंडल के अधिकारिक ने बताया कि मध्य रेलवे के भुसावल मंडल पर अकोला-रतलाम रेलखंड के मध्य स्थित खंडवा यार्ड में नॉन इंटरलाकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कारण कोटा मंडल के सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंजमंडी, शामगढ़ होकर जाने वाली बीकानेर-साईनगर शिर्डी-बीकानेर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी दोनों दिशाओं में अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

आबकारी विभाग ने बीयर के 175 कार्टन किए जप्त

चाकसू। आबकारी विभाग ने सोमवार को जयपुर–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग–21 पर बस्सी मुख्यालय के समीप मोहनपुरा पुलिया के समीप एक टैंकर में अवैध रूप से ले जा रही बीयर के 175 कर्टन जप्त कर टैंकर चालक को गिरफ्तार किया है। आबकारी विभाग के चाकसू थाने के पीओ महिपाल सिंह राजावत ने बताया कि राज्य विशेष दल बी की ओर से सूचना मिली थी कि डामर के टैंकर में बीयर का अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। आबकारी पुलिस ने राजमार्ग पर मोहनपुरा पुलिया के पास टैंकर को रुकवा कर तलाशी ली तो टैंकर में बीयर के कर्टन भरे मिले।

पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने अतिक्रमणकारियों को दी हिदायत

खुद हटाओ अपना अवैध कब्जा, नहीं तो चलेगा बुलडोजर

बेधड़क | पोकरण

पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने शहर में बढ़ते अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहर में भू-माफियाओं का आतंक है। विधायक ने भू-माफियाओं को चुनौती दी है कि अभी से अतिक्रमण हटा दें अन्यथा हमें इस जगह पर बुलडोजर लगाकर अतिक्रमण हटाना पड़ेगा।

सरकारी जगह और नदी-नालों, तालाब की आगोर आदि जगहों पर अतिक्रमण नहीं करें अन्यथा हमें उसे हटाना पड़ेगा। विधायक महंत प्रताप पुरी जैसलमेर रोड पर उनके कार्यालय में आम जनता से संवाद कर रहे थे। उन्होंने जैसलमेर रोड पर चल रहे जमीन विवाद को लेकर भी चर्चा करते हुए कहा कि इस जमीन की पूरी जांच करवाई जाएगी।

सरकार की जमीन सरकार के पास रहेगी और किसी की खातेदारी जमीन होगी तो उसे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नदी, नाला और कैचमेंट एरिया में यदि कोई कब्जा किया जाएगा तो उसे कब्जाधारी को हटाने का मौका दिया जाएगा, उसके उपरांत अभी भी यदि कोई नहीं हटाएगा तो उसका अतिक्रमण हटाया जाएगा।

उपखंड अधिकारी को नोटिस देने के आदेश

विधायक महंत प्रताप पुरी ने उपखंड अधिकारी को बुलाकर अतिक्रमणों पर चर्चा की और कहा कि सरकारी जमीन, नदी नालों और तालाबों की भूमि पर किसने कितना अतिक्रमण किया है, इसकी कमेटी बनाकर जांच करें और पहले संबंधित अतिक्रमणकारी को नोटिस दें, यदि वह स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाता है, तो उसे प्रशासन की ओर से हटाया जाए। उन्होंने कोर्ट के आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें गोचर, तालाब और नदी नालों की भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दे रखे हैं। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याएं भी सुनी और उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुआ हादसा... 20 घायल, 11 जने गंभीर

ट्रेलर में घुसी रोडवेज की बस पति-पत्नी और बेटे की मौत

बेधड़क | जयपुर

जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह 4 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। शाहपुरा में अलवर कट के पास पुलिया पर रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रेलर में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ड्राइवर साइड से बस पूरी तरह खत्म हो गई। इस हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों (पति-पत्नी, बेटा) की मौत हो गई। जबकि 20 अन्य घायल हो गए।

इनमें से 11 की हालत गंभीर है। हादसे के वक्त अधिकतर यात्री नींद में थे। बस से लोगों को निकालने के लिए शाहपुरा से क्रेन मंगवानी पड़ी। क्रेन ड्राइवर कैलाश ने बताया- बस का ड्राइवर साइड का हिस्सा आगे से पीछे तक क्षतिग्रस्त हो गया। क्रेन से बस को हटाया और फिर लोगों को निकाला। लोग बेहोश पड़े थे। हालात ऐसे थे कि देखा नहीं गया। लगता है ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ है।

शाहपुरा थाना एसएचओ रामलाल मीणा ने बताया कि ओवरटेक करने से हादसा हुआ है। घायलों को शाहपुरा के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे में दिल्ली निवासी विजय अग्रवाल (40) उसकी पत्नी टीना अग्रवाल (35) और बेटे प्रीतम अग्रवाल (16) की मौत हो गई। प्रीतम का पैर कटकर अलग हो गया था। 11 को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया- दोनों दोनों वाहनों को साइड में कराकर यातायात सुचारु करवाया। सूचना पर पहुंची शाहपुरा पुलिस ने हाईवे पुलिस की मदद से घायलों को बस बाहर निकाला और हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

सीमेंट के कट्टे के नीचे मिला कटा हुआ पैर

अलवर कट के पास पुलिया पर जहां हादसा हुआ, उससे कुछ ही दूरी पर शाहपुरा थाने के हेड कांस्टेबल सुभाष चाय पी रहे थे। हादसा होते ही वे मौके पर पहुंचे। सुभाष ने बताया कि रोडवेज बस सीमेंट से भरे ट्रेलर में पीछे से घुसी थी। हालात देख हम हक्के-बक्के रह गए। सभी सवारियों को बस से बाहर निकाल शाहपुरा हॉस्पिटल पहुंचाया। बस दिल्ली से जयपुर जा रही थी। मेरी नौकरी के दौरान मैंने पहली बार ऐसा भीषण हादसा देखा। एक यात्री प्रीतम अग्रवाल का पैर कटकर अलग हो गया। ट्रेलर की सीमेंट के कट्टे उछलकर बस में गिरे। कट्टे के नीचे दबा पैर मिला। दो मोबाइल भी मिले हैं। शिनाख्त की कोशिश कर रहे हैं।

दो ट्रकों की टक्कर में दोनों चालकों की मौत

भरतपुर। भरतपुर जिले के गहनौली थाना क्षेत्र में रविवार देर रात दो ट्रकों की आमने सामने की भिड़ंत में दोनों ट्रकों के चालकों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 123 पर गड्ढे से बचने की कोशिश में धौलपुर से भरतपुर आ रहा ट्रक विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गया। इससे ट्रक चालक विनोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रक का चालक संजू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना का सीसीटीवी फुटेज हुआ वायरल

जालोर की पूर्व MLA का पारिवारिक विवाद पहुंचा थाने

बेधड़क | जालोर

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल का पारिवारिक विवाद थाने तक पहुंच गया। जालोर के कोतवाली थाने में अमृता मेघवाल ने पूर्व पति बाबूलाल, ससुर हेमाराम, चाचा ससुर शिवलाल सोलंकी और देवर कैलाश पर मारपीट करने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया है।

मारपीट की शिकायत दर्ज करवा कर राजकीय अस्पताल में भर्ती हो गई, जबकि दूसरी तरफ ससुराल पक्ष के लोगों ने घटना का सीसीटीवी फुटेज जारी कर थाने में अमृता सहित दो अन्य महिलाओं के खिलाफ शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल रविवार देर शाम को अपने पूर्व पति बाबू लाल के बंद मकान पर पहुंचकर ताला तोड़ने की कोशिश की। इस दौरान अमृता के काका ससुर शिवलाल ने उसे रोकने की कोशिश की तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। अब दोनों पक्षों की ओर से कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। इधर शिकायत के बाद पुलिस ने अमृता को अस्पताल में भर्ती करवाया तो वहीं दूसरे पक्ष की रिपोर्ट भी ली है। पूर्व विधायक

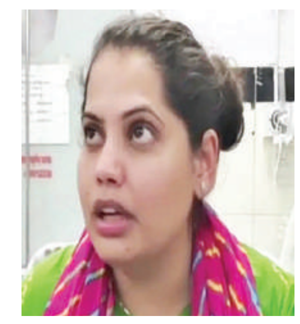

अमृता मेघवाल ने थाने में शिकायत देकर बताया कि ससुराल वाले मुझे परेशान कर रहे हैं और मुझसे पैसे लाने का दबाव बना रहे हैं। रविवार को घर जाने पर काका ससुर शिव लाल, उसके पुत्र कैलाश, ससुर सहित अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट कर गाली-गलौज की है। ससुराल वालों ने भी थाने में अमृता के खिलाफ शिकायत दी है।

अमृता का काका ससुर शिवलाल ने आरोप लगाया है कि अमृता व दो महिलाएं दो लड़कों से बाबू लाल के मकान का ताला तुड़वा रही थी। हमने रोकने की कोशिश की तो अमृता ने मारपीट कर दी। इस घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है, जिसमें अमृता काका ससुर के साथ मारपीट करती नजर आ रही है।

बांदीकुई थाना क्षेत्र से 20 जून को लड़की के साथ हुआ था फरार

पुलिस के हत्थे चढ़ा दुष्कर्म का आरोपी

दौसा। जिले की बांदीकुई थाना पुलिस ने गत माह एक नाबालिग युवती का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। बांदीकुई थाना प्रभारी प्रेमचंद ने बताया कि जिले के बांदीकुई थाना क्षेत्र से 20 जून को एक नाबालिग युवती रात में घर से अचानक गायब हो गई। सुबह जाग होने पर जब परिजनों को नाबालिग बेटी घर पर नहीं मिली तो उसे कई जगह तलाश किया, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। इस पर पिता ने बेटी की गुमशुदगी रिपोर्ट बांदीकुई थाने में दर्ज करवाई। बांदीकुई थाना प्रभारी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से पुलिस ने नाबालिग को 26 जून को दस्तयाब कर लिया था। इस दौरान नाबालिग से पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मनीष कुमार मीना (19) पुत्र रामदयाल मीना निवासी मीना मोहल्ला सीतारामपुरा बरौनी टोंक ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म किया। नाबालिग के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ नामजद अपहरण और दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपी को पकड़ने की लिए एक टीम का गठन किया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही मौके से फरार हो जाता था। मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी मनीष मीना को सोमवार को जयपुर और टोंक के बीच हाईवे से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया।

121वीं जयंती पर पुष्पांजलि की अर्पित

महाराजा उम्मेद को किया याद

जोधपुर। आधुनिक जोधपुर के निर्माता पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह की 121वीं जयंती सोमवार को मनाई गई। इस मौके पर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित उम्मेद सिंह सर्किल पर धर्म गुरुओं के सानिध्य में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। यहां मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के बैंड की ओर से पारंपरिक धुन बजाई गई। समारोह में थल सेना और वायु सेना के अधिकारी महापौर, पूर्व सांसद गज सिंह सहित अन्य लोगों ने पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह की अश्वारूढ़ प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह में सर्व धर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदू मुस्लिम व ईसाई और सिख समाज के धर्मगुरुओं ने प्रार्थनाएं की।

बता दें कि उम्मेद सिंह ने अपने शासनकाल में जोधपुर मारवाड़ के लिए कई जन कल्याण से जुड़े कार्य करवाए थे। उन्होंने मौजूदा जोधपुर की आधारशिला रखी थी। यही कारण है कि उनको आधुनिक जोधपुर का शिल्पी कहा जाता है। अकाल के समय जनता को काम देने के लिए बने महल का नाम उम्मेद भवन पैलेस रखा गई। उन्होंने पाली में लोगों को रोजगार देने के लिए सबसे बड़ी उम्मेद कपड़ा मिल की स्थापना भी की थी।

पांच बदमाशों को किया अरेस्ट

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से भरतपुर में गैंगवार की प्लानिंग का खुलासा

बेधड़क | भरतपुर

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से कुछ अपराधी गैंगवार की साजिश रच रहे थे, लेकिन भरतपुर डीएसटी और साइबर सेल ने समय रहते साजिश को नाकाम कर दिया। भरतपुर पुलिस ने अजमेर जेल से साजिश रचने वाले तीन आरोपी समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक आरोपी जोधपुर का और दो आरोपी भरतपुर व डीग जिले के रहने वाले हैं।

अजमेर जेल में बंद आरोपियों के कब्जे से मोबाइल व सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। भरतपुर पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के सदस्य भरतपुर जिले में गैंगवार की तैयारी कर रहे हैं। जयपुर एटीएस से भी इस तरह का इनपुट मिला। इस संबंध में 22 जून, 2024 को कोतवाली थाने में एक मामला भी दर्ज हुआ कि अजमेर जेल में बंद कुछ व्यक्ति तीन लोगों के खिलाफ गैंगवार करने की फिराक में हैं।

भरतपुर शहर में 4 सितंबर, 2022 की रात को कृपाल जघीना की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद बदला लेने के लिए कृपाल गैंग ने 12 जुलाई, 2023 को जिले के आमोली टोल प्लाजा पर कुलदीप जघीना की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों मामलों में पुलिस ने करीब 24 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों की हत्या की फिराक में था कृपाल गैंग

पड़ताल में मामला आया सामने

तहकीकात में पता चला कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद रोहित, प्रशांत चौधरी, लोकेश चौधरी, शुभम लवानिया, बल्लो उर्फ बलराम, मोहित रेसलर, परमवीर, गब्बर, पंकज, जहांगीर उर्फ बाबू उर्फ डोरेमोन और लोकेंद्र उर्फ लोकी साजिश में शामिल हैं। गैंगवार की साजिश रचने के आरोप में अजमेर जेल से पंकज, लोकेंद्र उर्फ लोकी और जहांगीर उर्फ डोरेमोन को गिरफ्तार किया है। साथ ही डीग जिले के सोगर गांव के लोकेश चौधरी और भरतपुर के जघीना गांव निवासी बलराम उर्फ बल्लो को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बलराम व लोकेंद्र उर्फ लोकी के कब्जे से एक-एक मोबाइल और सेवर जेल में सर्च ऑपरेशन के दौरान पंकज के कब्जे से एक सिम व जहांगीर के कब्जे से एक सिम व मोबाइल जब्त किया है। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि इस पूरी साजिश में पांच अन्य आरोपियों का भी नाम सामने आया है। फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है। अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद अन्य आरोपियों को भी प्रोडक्शन वारंट पर भरतपुर लाकर पुलिस जल्द ही रिमांड पर लेगी। एसपी मृदुल ने बताया कि भरतपुर में रेकी करने वाला और हथियारों की सप्लाई करने वाला आरोपी रोहित हथैनी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। कुछ स्थानीय लोगों के भी नाम सामने आए हैं जो कि दोनों ही गैंग से ताल्लुक रखते हैं। गैंग का भय जिले में बना रहे इसलिए ये गैंगवार की घटना को अंजाम देना चाह रहे थे।

18 अक्टूबर से ऑनलाइन लिखित परीक्षा होगी आयोजित, 28 जुलाई तक होंगे आवेदन

वायु सेना में अग्निवीर के पदों पर शुरू हुई भर्ती की प्रक्रिया

बेधड़क । नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु के पदों पर भर्ती प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी है। योजना में रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे, जो 28 जुलाई की रात 11 बजे तक चलेंगे। वायुसेना की आधिकारिक बेवसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किए जा सकते है।

इस बहाली में अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं। जिनका 3 जुलाई 2004 से 3 जनवरी 2008 के बीच हुआ हो और वे अविवाहित हों, आवेदन कर सकते हैं। अगर कोई उम्मीदवार चयन प्रक्रिया के सभी चरणों को पास कर लेता है, तो नामांकन की तिथि के अनुसार उसकी ऊपरी आयु सीमा 21 वर्ष होनी चाहिए। इन पदों पर आवेदन के बाद आपको चयन का तरीका भी समझ लेना चाहिए। उम्मीदवारों के चयन में सबसे पहले ऑनलाइन लिखित परीक्षा का आयोजन होगा, इसके बाद शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण और फिर मेडिकल टेस्ट होगा। इन सभी चरणों में उम्मीदवार को पास होना जरूरी है।

ये रहेगी शैक्षणिक योग्यता

1. साइंस विषयों के लिए

- आवेदक गणित, फिजिक्स और अंग्रेजी विषय के साथ 12वीं कक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ पास होना चाहिए। अंग्रेजी में कम से कम 50 फीसदी मार्क्स होना जरूरी। या
- 50 फीसदी अंकों के साथ तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमाधारक या
- फिजिक्स व मैथ्स जैसे दो नॉन वोकेश्नल विषयों के साथ कम 50 प्रतिशत अंकों से दो वर्षीय वोकेशनल कोर्स।

2 . साइंस विषयों के अलावा अन्य विषयों के लिए

- किसी भी विषय में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ 12वीं पास। अंग्रेजी में कम से कम 50 फीसदी मार्क्स होना जरूरी।

यह है योग्यता

आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थी की लंबाई कम से कम 152.5 सेमी और महिला अभ्यर्थी की लंबाई कम से कम 152 सेमी होना अनिवार्य है। पुरुष अभ्यर्थियों के सीने की चौड़ाई कम से कम 77 सेमी हो। वे सीना 5 सेमी फुला सके।

वैवाहिक स्थिति और गर्भावस्था

केवल अविवाहित उम्मीदवार ही पात्र हैं। इसके अलावा, केवल अविवाहित अग्निवीरवायु ही एयरमैन के रूप में नियमित कैडर में चयन के लिए पात्र होंगे। महिला उम्मीदवारों को चार साल की सगाई अवधि के दौरान गर्भवती नहीं होने का अतिरिक्त वचन देना होगा।

Yuva स्टोरीज

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ने UNPRMI में निभाई अग्रणी भूमिका

बेधड़क । नई दिल्ली।

जयपुर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने संयुक्त राष्ट्र प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन (UNPRMI) जयपुर रीजनल हब का नेतृत्व करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह पहल, संस्थान की नैतिकता और प्रबंधन शिक्षा में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता में एक मील का पत्थर है। एसपीजेआईएमआर में एसोसिएट प्रोफेसर और यूएनपीआरएमई इंडिया चैप्टर के प्रमुख डॉ. चंद्रिका परमार ने डॉ. प्रभात पंकज, निदेशक, जयपुरिया, जयपुर को प्रतिबद्धता पत्र औपचारिक रूप से सौंपा। इस अवसर पर डॉ. परमार ने छात्रों को "यूएनपीआरएमई के बारे में जाननाः इंडिया चैप्टर यात्रा' विषय पर संबोधित किया। इसमें प्रबंधन शिक्षा में नैतिकता और स्थिरता की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। सत्र में "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" गतिविधि भी शामिल थी। जिसमें जयपुरिया, जयपुर के छात्रों ने भाग लिया। इस आयोजन का समन्वय डॉ. वरुण चोटिया और डॉ. ओम कुमारी आर. ने किया। एक अलग सत्र "जयपुरिया पूर्व छात्रों के साथ बातचीतः अगर मुझे फिर से जयपुरिया का छात्र बनने का अवसर मिलता' में पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव और विचार साझा किए। पैनल में अर्नब घोष, मार्केटिंग मैनेजर, गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लि., विशाल सावलानी, सेल्स स्पेशलिस्ट, अमेज़ॅन, आयुष भटनागर, सेल्स ऑपरेशंस और प्रोडक्ट स्ट्रेटेजी, वीवो इंडिया और रिधिका तिवारी, कंप्लायंस कंसल्टेंट, एजेएमएस ग्लोबल शामिल थे। इस सत्र का संचालन डॉ. लोकेश विजयवर्गीय, एलुमनी चेयर ने किया। इसका समापन "अपने सफलता की रणनीति बनाएं : कैंपस से कॉर्पोरेट तक' सत्र से हुआ। इसका नेतृत्व पल्लवी शॉम, मुख्य संचालन अधिकारी, बीएनवाई मेलन ने किया।

भर्ती प्रक्रिया के संबंध में बैठक आज

अजमेर। प्रक्रियाधीन भर्ती परीक्षाओं को समयबद्ध सीमा में करने एवं भर्ती परीक्षाओं को त्वरित रूप से निर्धारित किए जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देशों के क्रम में महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को प्रमुख शासन सचिव (कार्मिक विभाग) की अध्यक्षता में किया जाएगा। बैठक में राजस्थान लोक सेवा आयोग तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव भी भाग लेंगे। आयोग सचिव ने बताया कि बैठक में राजस्थान लोक सेवा आयोग तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आगामी वर्ष में आयोजित की जाने वाली विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की तिथियों, उनसे संबंधित परीक्षार्थियों, अन्य हितधारकों एवं अन्य भर्ती संस्थाओं की परीक्षाओं की क्लेशिंग पर विचार कर परीक्षाओं को यथासंभव शीघ्र करवाने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

नीदरलैंड के छात्र दल ने की राजनीतिक और समकालीन परिदृश्य पर चर्चा

बेधड़क । जयपुर

आईआईएस यूनिवर्सिटी की इंटरनेशनल सेल की मेजबानी में यूनिवर्सिटी ऑफ लीडेन की स्पिल कमेटी की ओर से भारत दर्शन पर आए 35 अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स का स्वागत किया गया । इन स्टूडेंट्स के लिए आईआईएस यूनिवर्सिटी की ओर से एक्टिविटीज रखी गईं। यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस विभाग द्वारा इंडिया राइजिंग ए डिस्कोर्स पर सेशन आयोजित किया गया। जिसमें भारत की राजनीतिक व्यवस्था और समकालीन परिदृश्य पर चर्चा की गई। साथ ही ओपन हाउस के तहत ग्रुप डिस्कशन में यूनिवर्सिटी ऑफ लीडेन व आई आई एस के स्टूडेंट्स ने भारत और नीदरलैंड्स के पॉलिटिकल डिस्कोर्स पर अपने विचार साझा किए । यूनिवर्सिटी ऑफ लीडेन के स्टूडेंट्स ने यूरोपियन यूनियन और इसके घटक देशों की राजप्रणाली के बारे में जानकारी दी । इन स्टूडेंट्स को आई आई एस यूनिवर्सिटी कैंपस का टूर भी कराया गया और डिपार्टमेंट्स में चल रहे विभिन्न कोर्सेज के बारे में बताया गया। जिससे वे काफी प्रभावित हुए।

सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

प्रदेश को स्मार्ट पुलिसिंग की जरूरत : राज्यपाल

बेधड़क । जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि पुलिसिंग को अब स्मार्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अपराधी नई तकनीक अपना रहे हैं। जिसकी पुलिस के पास कमी है। ऐसा करिक्युलम बनाना होगा जो आज की जरूरत के हिसाब से हो। उन्होंने कहा कि दक्षिणी देशों में जिस तरह आपराधिक विज्ञान पर काम कर क्राइम रोका जा रहा है। उसी तरह हमारी पुलिस को भी काम करना होगा। यूनिवर्सिटी को अपराध रोकने में थिंक टैंक के रूप में काम करना होगा। राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को जोधपुर में सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा और दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह बतौर कुलाधिपति बोल रहे थे। आरंभ में सभी को उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। समारोह में पुलिस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अपराधियों पर शिकंजा कसेगी पुलिस : बेढम

इस मौके पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि राजस्थान में अपराध बढ़ रहे हैं। सरकार इस पर जल्द शिकंजा कसेगी। पुलिस विश्वविद्यालय 2022-23 के विभिन्न कोर्सेज के पास आउट 204 स्टूडेंट्स को डिग्री सौंपी। पहली बार विश्वविद्यालय 6 पीएचडी डिग्री दी। समारोह में 112 यूजीसी व 86 पीजी की डिग्री दी । इनमें 141 छात्र व 63 छात्राएं शामिल है। इस कार्यक्रम में 10 गोल्ड मेडल दिए । गोल्ड मेडल हासिल करने वालों में 5 छात्राएं व 5 छात्र हैं। कार्यक्रम में दो कुलाधिपति गोल्ड मेडल से नवाजा गया जिसमें एम टेक के छात्र चैतन्य कुद्रा और 2023 का कुलाधिपति गोल्ड मेडल और क्रिमिनोलॉजी की छात्रा काजल थी।

112 यूजीसी और 86 पीजी की डिग्री दी

पुलिस विश्वविद्यालय 2022-23 के विभिन्न कोर्सेज के पास आउट 204 स्टूडेंट्स को डिग्री सौंपी। पहली बार विश्वविद्यालय 6 पीएचडी डिग्री दी। समारोह में 112 यूजीसी व 86 पीजी की डिग्री दी । इनमें 141 छात्र और 63 छात्राएं शामिल है। कार्यक्रम में 10 गोल्ड मेडल दिए। गोल्ड मेडल हासिल करने वालों में 5 छात्राएं और 5 छात्र हैं।

पुलिस भर्ती में महिलाओं को अब 33% आरक्षण

राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैडम ने कहा कि सरकार के लिए नारी सशक्तिकरण और नारी सुरक्षा प्राथमिकता है। राजस्थान में पुलिस की भर्ती में महिलाओं का आरक्षण 30% से बढ़कर 33% तक किया जाएगा, इसके लिए यह प्रक्रिया की जा रही है। तृतीय श्रेणी में तो 50% तक आरक्षण कर दिया है। ग्रेड थर्ड शिक्षक भर्ती में 50% तक आरक्षण कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराध बढ़ रहे हैं। सरकार इस पर जल्द शिकंजा कसेगी। समारोह में 204 स्टूडेंट्स को सौंपी डिग्री दी गई।

साइबर क्राइम है नई चुनौती

कुलाधिपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता सभी स्तरों में होनी चाहिए। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रम में समयानुकुल उपयोगी बनाना होगा। साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिंक साइंस जैसे सब्जेक्ट में रिसर्च व अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। संगठित अपराध व साइबर अपराध नई चुनौतियां हैं। अपराध विज्ञान पुलिस विज्ञान व फोरेंसिक विज्ञान में नवीन पाठ्यक्रम तैयार करें, इसमें दक्ष विशेषज्ञों की मदद लें। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को संविधान पार्क बनाने के निर्देश दिए और कहा कि बजट के कारण यह पार्क नहीं बन रहा था , अब बजट मिल गया है।

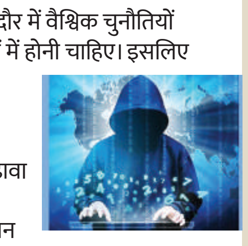

फोरेंसिक शिक्षा को बढ़ावा देंगे

पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- उन्होंने राजनीतिक कारणों से कई कॉलेज खोल दिए जबकि उनकी सरकार NEP के प्रावधानों की अनदेखी किए बिना काम कर रही है। उनकी सरकार युवाओं को नौकरी देने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाने की दिशा में काम कर रही है। सरकार फोरेंसिक शिक्षा को बढ़ाने के लिए कार्य कर रही हैं।

5 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए राज्य सरकार करेगी अपील

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश के पांच नए मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष से शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए राज्य सरकार राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में अपील करेगी। साथ ही, यह प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे कि इन मेडिकल कॉलेजों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के अनुरूप सभी मानक जल्द से जल्द पूर्ण हों और इनमें शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ किए जा सकें। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश के 5 जिलों नागौर, सवाई माधोपुर, बारां, बांसवाड़ा एवं झुंझुनूं में स्थापित किए जा रहे नए मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष से शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन मेडिकल असेसमेंट एण्ड रेंटिग बोर्ड ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के मापदण्डों के अनुरूप सुविधाएं नहीं होने के कारण इन मेडिकल कॉलेजों के प्रस्ताव फिलहाल अस्वीकृत किए हैं। सिंह ने बताया कि यह मामला चिकित्सा शिक्षा विभाग के संज्ञान में है और इन मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में अपील की जाएगी। साथ ही, इन मेडिकल कॉलेजों में रही कमियों को शीघ्रता के साथ दूर करने के लिए पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते इन मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक मानक पूर्ण करने में विलम्ब हुआ, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर कमियां दूर करने के प्रयास प्रक्रियाधीन हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि यह स्थिति केवल राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों को लेकर ही नहीं है, बल्कि देशभर में नए मेडिकल कॉलेजों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के अनुसार मापदण्ड पूरा करने को लेकर ऐसी ही स्थिति सामने आई है। राज्य सरकार प्रदेश के नए मेडिकल कॉलेजों को लेकर लगातार राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के सम्पर्क में है तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से भी शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ करने के संबंध में आग्रह किया गया है।

व. अ (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा

15 से 22 जुलाई तक होगी 1539 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत 3 जुलाई से 5 जुलाई तक जारी की गई 6 विषयों की अतिरिक्त विचारित सूचियों में सम्मिलित 1539 अभ्यर्थियों की पात्रता जांच काउंसलिंग के माध्यम से 15 से 22 जुलाई तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि पूर्व में इस परीक्षा के अभ्यर्थियों की पात्रता जांच 5 फरवरी से 9 फरवरी तक आयोजित की गई थी। इसमें अधिक संख्या में अभ्यर्थियों के अनुपस्थित रहने के कारण परीक्षा के विभिन्न 6 विषयों की अतिरिक्त विचारित सूचियां 22 अप्रेल से 25 अप्रेल तक जारी कर 13 मई से 17 मई तक पात्रता जांच का आयोजन किया गया था। इसमें अनुपस्थित रहने के कारण सूचियां जारी की गई थी।

दौरा पीएम मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की करेंगे शुरुआत

NCC डीजी गुरबीर पाल सिंह करेंगे कैडेट्स को मोटिवेट

बेधड़क । जयपुर

एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीर पाल सिंह, परम विशिष्ट सेवा मेडल (PVSM), अति विशिष्ट सेवा मेडल(AVSM), विशिष्ट सेवा मेडल(VSM) 9 जुलाई से 10 जुलाई राजस्थान दौरे पर जयपुर में रहेंगे । यह जानकारी एन सी सी निदेशालय राजस्थान के उपमहानिदेशक एयर कमोडोर सत्येंद्र शर्मा ने दी। महानिदेशक ने सन 1987 में पैराशूट रेजीमेंट में कमीशन लिया। वे डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज ,उच्च कमान पाठ्यक्रम तथा नेशनल डिफेंस कॉलेज से स्नातक है पूर्व में नागालैण्ड, सियाचिन ग्लेशियर में कंपनी कमांडर रहे हैं तथा उन्होंने कश्मीर और यूनिफिल (UNIFIL) में एक विशेष फोर्स बटालियन की कमान संभाली और नियंत्रण रेखा पर भी इंफैन्ट्री डिवीजन के कमांडर रहे है, उन्होंने मिलिट्री ऑपरेशन निदेशालय में भी कार्य किया है और पूर्व में स्वयं भी एन सी सी कैडेट रह चुके हैं। महानिदेशक को 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा परम विशिष्ट सेवा मेडल (PVSM)से सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण गतिविधियों एवं ट्रेनिंग शिविर संबंधित लेंगे जानकारी

महानिदेशक ले. जनरल गुरबीरपाल को मंगलवार को एन सी सी राजस्थान निदेशालय का निरीक्षण करेंगे। इस अवसर पर जयपुर ग्रुप के कैडेट्स द्वारा "गार्ड ऑफ ऑनर" दिया जाएगा। महानिदेशक ने प्रधानमंत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आग्रहित अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' की शुरुआत को आगे बढ़ते हुए एन सी सी निदेशालय परिसर में पेड़ लगाकर अभियान की शुरुआत करेंगे तथा इस अभियान को राजस्थान मे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एन सी सी कैडेट्स को मोटिवेट करेंगे और प्रेस से रूबरू होंगे। महानिदेशक ले. जनरल गुरबीरपाल जयपुर, जोधपुर,उदयपुर एवं कोटा ग्रुप के ग्रुप कमांडरो, राजस्थान एन सी सी निदेशालय के उच्चाधिकारियों एवं स्टाफ से मुलाकात करेंगे। महानिदेशक को उपमहानिदेशक एयर कमोडोर सत्येंद्र शर्मा द्वारा राजस्थान एन सी सी में चल रही आर्मी, एयर और नेवी विंग की एन सी सी प्रशिक्षण गतिविधियों एवं ट्रेनिंग शिविर संबंधित गतिविधियों की विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए प्राप्त उपलब्धियां के बारे में अवगत कराया जाएगा।

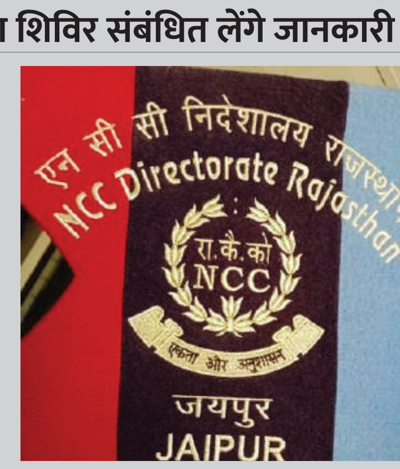

आखिर क्यों गिरता जा रहा है भू-जल का स्तर!

सुनील कुमार महला
व्यंग्यकार

भारत में भू-जल का स्तर निरंतर गिरता चला जा रहा है। यदि इसी प्रकार से भू-जल स्तर का नीचे गिरना जारी रहा तो आने वाले समय में बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती है, क्यों कि 'जल ही जीवन है।' जल के बिना प्राणियों, वनस्पतियों, पेड़-पौधों का जीवन संभव नहीं है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि भूजल की कमी जैव विविधता को सीमित करती है।

भूजल निष्कर्षण के कारण वैकल्पिक तरीकों को विकसित करने में अधिक संसाधनों का निवेश करना पड़ता है और इससे लागत बढ़ती है।भूजल की कमी के कारण झीलें, नदियाँ और समुद्र जैसे बड़े जल-निकाय उथले हो जाते हैं। भूजल स्तर कम होने से खाद्य आपूर्ति पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। भारत में गर्मी के मौसम में अक्सर सूखा देखने को मिलता है। मानसून आता है तो कहीं अधिक तो कहीं अधिक बारिश होती है। वर्षा का वितरण असमान है। आने वाले समय में जल की उपलब्धता के मामले में स्थिति और अधिक खराब होने वाली है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में मौसम और पानी के पैटर्न को बदल रहा है, जिससे कुछ क्षेत्रों में कमी और सूखा पड़ रहा है और कुछ में बाढ़ आ रही है। आज आबादी लगातार बढ़ रही है, हमारे देश की आबादी विश्व में सबसे अधिक है। आबादी के कारण आज जगह जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं, अंधाधुंध निर्माण कार्य जारी हैं। कहीं पुल तो कहीं बड़ी बड़ी बिल्डिंगें खड़े किए जा रहे हैं। पेड़ पौधों की अंधाधुंध कटाई, अंधाधुंध खनन कार्य से धरती की पारिस्थितिकी गड़बड़ा चुकी है। जल स्तर में कमी का मुख्य कारण वनों की कटाई और भूजल का अत्यधिक दोहन है। वनों की कटाई से वन भूमि में पेड़ों की कटाई होती है और इससे उस क्षेत्र में बारिश का पैटर्न प्रभावित होता है। जल का ख़राब प्रबंधन, जलस्रोतों की घटती संख्या और निवेश की कमी भी प्रमुख कारण हैं। वास्तव में गिरते भूजल का असली कारण यह है कि आज हमारे देश में पानी के परम्परागत स्रोत कम वर्षा व बेतरतीब दोहन के चलते खत्म होते जा रहे हैं और यही कारण है कि भूजल स्तर घटता जा रहा है।

> "वास्तव में आज सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक विकास जैसे उद्देश्यों के लिए भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भारत में यह एक गंभीर मुद्दा है, लेकिन भूजल स्तर बढ़ाने के लिए सतह से बारिश के पानी को इकट्ठा करना बहुत ही असरदार और पारंपरिक तकनीक साबित हो सकती है। इससे छोटे तालाबों, भूमिगत टैंकों, बांध आदि के इस्तेमाल से जल संरक्षण किया जा सकता है। भूमिगत पुनर्भरण तकनीक जल संग्रहण का एक नया तरीका है।"

नलकूप आबादी आज लगातार बढ़ रही है। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत में कृषि भूमि की सिंचाई के लिये हर साल 230 बिलियन मीटर क्यूबिक भूजल निकाला जाता है, जिससे देश के कई हिस्सों में भूजल का तेज़ी से क्षरण हो रहा है। औसत वार्षिक वर्षा भी कम है। वृक्षों का कम आवरण,नदियों का रुख बदलकर बाँध बनाया जाना भी गिरते भूजल के कारणों में से एक है। वहीं दूसरी ओर तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और असंवहनीय कृषि पद्धतियाँ पानी की बढ़ती मांग में अभूतपूर्व योगदान करती हैं।कम वर्षा व अंधाधुंध दोहन के कारण भूजल स्तर में 5 से 10 मीटर की कमी आई है।

वास्तव में,भूजल का अत्यधिक उपयोग, जो भारत में 61% भूजल की कमी के लिए जिम्मेदार है। एक आकलन के अनुसार 2050 तक दुनिया की आधी आबादी ऐसे इलाक़ों में रहेगी जहां जल संकट होगा। इस समय तक दुनिया के 36 फीसदी शहरों में पानी की किल्लत होगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत विश्व के किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक भूजल निष्कर्षण का उपयोग करता है। प्रत्येक वर्ष भारतीय, भारी मात्रा में भूजल को निष्कर्षित करते हैं, लगभग 253 बिलियन क्यूबिक मीटर। यह विश्व भर में निकाले गए सभी भूजल का लगभग 25% है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो भारत में जल की उपलब्धता की बात करें तो यहाँ लगभग 1,123 अरब घन मीटर जल संसाधन हैं, जिसमें सतही जल का हिस्सा 690 अरब घन मीटर है, जबकि शेष 433 अरब घन मीटर भूजल है। उपलब्ध सभी भूजल में से 90% का उपयोग कृषि में सिंचाई के लिए किया जाता है और शेष 10% का उपयोग घरेलू और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए संयुक्त रूप से किया जाता है।

हाल ही में एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि उत्तर भारत में साल 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और भी गिरावट आने की संभावना बताई जा रही है। इसमें बताया गया है कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून के मौसम (जून से सितंबर) में बारिश में 8.5 प्रतिशत कमी आई है। इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सर्दियों के मौसम में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। वास्तव में कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ती है और इसके कारण भूजल पुनर्भरण में कमी आती है। हमें यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पृथ्वी पर 97% पानी खारा पानी है और केवल तीन प्रतिशत ताजा पानी है; इसमें से दो-तिहाई से थोड़ा अधिक ग्लेशियरों और ध्रुवीय बर्फ के रूप में मौजूद है। पानी एक सीमित व अनमोल संसाधन है। यह सभी जीवित प्राणियों के लिए ज़रूरी है और इसका उचित प्रबंधन किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो और हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहे। वास्तव में भारतीय आबादी के भविष्य की रक्षा के लिए, भारत को अपनी नीति में सुधार करने और जल-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सभी ग्रंथों, ऋषियों और मुनियों की बातें तर्क और युक्ति पर आधारित

हिन्दू समाज की सभी मान्यताएं बुद्धियुक्त

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> "हिन्दुओं में एक ही परिवार में लोगों के अलग- अलग देवी- देवताओं के पूजक होने और अलग रसोई में भोजन बनने पर भी उस घर में किसी प्रकार का झगड़ा नहीं होता। बुद्धिगम्य मान्यताओं में एक विशेष गुण है। वह यह कि बुद्धि के विकास से अथवा ज्ञान में वृद्धि के कारण पूर्व में स्वीकार की गई किसी बात के अशुद्ध प्रतीत होने पर उसको इस प्रकार छोड़ दिया जाता है, जैसे पुराने वस्त्र उतार कर रख दिए जाते हैं। इससे समाज में विवाद नहीं फैलता।"

मनुष्य शरीर में एक मन नामक यंत्र है। मन नामक यह यंत्र बहुत चंचल है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी मन को बहुत चंचल कहा गया है। मन पर विभिन्न प्रकार के प्रभाव पड़ते रहने के कारण मन में चंचलता होने लगती है। अनेक प्रकार के प्रभाव अनेक मनुष्यों के मनों पर विभिन्न रूप में अंकित होते रहते हैं। जिसके कारण मनुष्यों में विभिन्नता दृष्टिगोचर होती है। इस मन के कारण ही मनुष्यों में परस्पर विरोध की भावना पनपती है। मन की उस चंचलता को शांत करने का एक यंत्र मनुष्य के शरीर में है। उस यंत्र को बुद्धि कहा जाता है। जिसका मन बुद्धि के अधीन हो जाता है, उसे मानव समाज में विभिन्नता एक वस्तुस्थिति दिखाई देने लगती है। फिर उस विभिन्नता में किस प्रकार समन्वय हो, वह यह समझने लगता है। ईश्वर की कृपा और हिन्दू समाज के उत्कट विद्वानों के उपदेशों से बहुसंख्यक हिन्दू समाज में यह समन्वय प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। यही हिन्दू समाज की उत्कृष्टता है। यह उत्कृष्टता भी हिन्दू समाज की मान्यताओं से है, जो अन्य मतावलंबियों में दिखाई नहीं देता। जिसे बुद्धिवाद कहा जाता है। मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षणों में बुद्धि को भी एक लक्षण माना गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत के बहुसंख्यक हिन्दू समाज के मान्यताओं में से कोई भी ऐसी नहीं है कि जो किसी व्यक्ति विशेष के कथन से संबंधित हो। जो कुछ भी उन मान्यताओं में है, वह बुद्धियुक्त है। वह किसी के कहने पर अथवा श्रद्धा भक्ति से नहीं है। विगत एक सहस्त्र वर्ष के कतिपय संत, गुरुओं आदि की बात को छोड़ दिया जाए। तो इससे पूर्व हिन्दू समाज में यह कभी भी मान्य नहीं था, कि अमुक बात, किसी ग्रंथ अथवा गुरु के मुख से कही जाने के कारण मान्य है। हिन्दू लोग तो ऋषियों और मुनियों की बातें तो करते रहते हैं। किन्तु उनकी बात तर्क और युक्ति पर आधारित होती थी। यहां तक की उपनिषदों का अध्यात्मवाद भी शुद्ध तर्क पर आधारित है। बौद्ध और जैन मतों के प्रादुर्भाव के साथ प्रथा में अंतर आया। तब हिन्दू समाज में श्रद्धा को तर्क पर वरीयता प्राप्त हुई। किन्तु उपनिषदों में जब कोई ज्ञानी अथवा ऋषि बात करता है, तो वह तर्कयुक्त बात करता है। मान्यता है कि वेद ईश्वरीय ज्ञान है, परंतु यह कभी नहीं माना गया कि वेद में तर्कहीन बात लिखी गई है। जैन और बौद्ध मतों के प्रादुर्भाव के उपरांत वेद के जो भाष्यकार हुए हैं, उनकी बात को छोड़कर पूर्व के आचार्यों में युक्तियुक्त बात ही दिखाई देती है।

यही कारण है कि हिन्दू समाज की प्राचीन मान्यताएं बुद्धियुक्त ही हैं। हिन्दू समाज की सर्वमान्य मान्यताओं में श्रद्धा से स्वीकार करने वाली कोई बात कहीं नहीं कही गई है। ये सब मान्यताएं बुद्धिगम्य ही हैं। कोई भी यह नहीं कहता कि अमुक ऋषि अथवा महात्मा या अवतार ने उनका बखान किया है। इसलिए माननीय है, अथवा मानने योग्य है। हजरत ईसा तथा हजरत मोहम्मद के अनुयायियों में यह बात नहीं है। उनकी तो यह मान्यता है कि मजहब में अकल का कोई दखल नहीं है। अकल में दखल देना कुफ्र है। इसलिए जैसा-कैसा भी किसी ने कहीं कह दिया है, उसको उसी रूप में स्वीकार कर लेना चाहिए, किन्तु हिन्दुओं में यह बात नहीं है। यही कारण है कि जहां प्राचीन हिन्दू समाज में वाद -विवाद होते देखे गए हैं, वहीं दूसरे मजहब वालों में इसका अभाव देखा गया है। वहां तो कुरान अथवा हजरत की बात ही सर्वमान्य है। हिन्दू समाज की मान्यताओं की सर्वश्रेष्ठता इसी से सिद्ध है कि जहां-जहां और जब-जब अन्य मत वाले भी बुद्धि का प्रयोग करते हैं, वहां-वहां तक वे हिन्दू मान्यताओं को स्वीकार करते हैं। उदाहरणतः परमात्मा एक सर्वोपरि शक्ति है।

वह जगत का संचालन कर रही है। उसको स्वीकार करने की बात हिन्दू मान्यता ही है। परंतु जहां परमात्मा को संसार का ज्ञान कराने के लिए उसके फरिश्ते जब्राहिल आदि घूमते रहते हैं, यह बात बुद्धिगम्य न होने से हिन्दुओं से भिन्न हो गई है और फरिश्तों के दिखाई न देने पर भी श्रद्धा से मानने की बात ही हो जाती है। अभिप्राय यह है कि जब-जब और जहां-जहां मानव समाज के व्यवहार में बुद्धि का प्रयोग किया जाएगा, वहां परिणाम हिन्दू मान्यताओं के स्वीकार किए जाने का होगा। इससे यह सिद्ध है कि हिन्दू मान्यताएं सर्वश्रेष्ठ हैं, तथापि हिन्दुओं का कभी यह आग्रह अथवा दबाव नहीं रहा कि हिन्दू से इतर व्यक्ति भी इसको मानें ही। वे मानें अथवा न माने यह युक्ति और तर्क का विषय है। यह किसी राजदंड अथवा सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं है।

राज -पाट के लिए झगड़ा होते देखे गए हैं। वह आज भी हो रहे हैं। और भविष्य में भी होते रहेंगे, किन्तु परमात्मा, उसके स्वरूप अथवा कर्म की श्रेष्ठता अथवा हीनता के विषय में झगड़ा नहीं होते। कबीर, नानक, दादू, राम, कृष्ण, विष्णु, शिव, शक्ति आदि के मानने वाले परस्पर इस प्रकार नहीं झगड़ते, जिस प्रकार मोहम्मद अथवा ईसा के मानने वाले परस्पर झगड़ते हैं, अथवा तोरेत या अंजील के मानने वालों में झगड़ा होता आ रहा है। हिन्दुओं में सैकड़ो ही देवी- देवता हैं। वे सब पूज्य हैं। तदपि सब अपने-अपने इष्ट देवता की श्रेष्ठता पर गर्व करते हैं। परंतु इस कारण उनमें परस्पर कभी विवाद नहीं उठा, जैसा कि शिया और सुन्नी में निरंतर होते रहता है। अथवा जैसे कैथोलिक और प्रोटेस्टैंट में होता है। गॉड और जहोंबा के मानने वालों में भी विगत दो हजार वर्ष से भी अधिक वर्षों से झगड़ा होता आ रहा है।

भारत के हिन्दू समाज में भी मुसलमानों की एक कुरीति घर कर गई है। यह सिखों और तथा निरंकारियों में है। वह सिखों और सहजधारियों अथवा अकालियों और नामधारियों में है। यह देन मुसलमानों की है। यह तब तक ही है, जब तक एक तोला भर भी श्रद्धा मन भर बुद्धि और युक्ति से अधिक समझी जाती रहेगी। मुसलमानों के भारत में आने से पूर्व इस देश में बौद्ध और जैन संप्रदायों के साम्राज्य स्थापित हुए थे। उससे पूर्व राज्य का न किसी संप्रदाय से संबंध होता था और न राजा स्वयं किसी मत का सहायक ही होता था। वह अपने मत से भिन्न मत वालों पर अपने मत को राज्य बल से कभी नहीं थोपता था। यही कारण है कि जैन अथवा बौद्ध मत के प्रचार के पूर्व बाममार्ग और द्वैत-अद्वैतवाद आदि का पालन स्वतंत्रता से होता रहा था। उनका प्रचार भी होता था। महात्मा बुद्ध और महावीर स्वामी को भी अपने मत के प्रचार के लिए किसी भी राजा अथवा राज्य की ओर से किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई गई। यह तो अशोक के अपने अतिनृशंस जीवन के उपरांत बौद्ध मत को संरक्षक बनाने पर प्राचीन मत के प्रति भेद-भाव रखने का व्यवहार हुआ। तब यह हुआ कि मत- मतांतरों में राज्य भी सहायक अथवा विरोधी होने लगा। उसका परिणाम यह हुआ कि परस्पर वैमनस्य फैलने लगा। और बौद्ध राज्यों के ह्रास के उपरांत जो हिन्दू मतावलंबी राजा आए। उन्होंने भी हिन्दू मत-मतांतरों का राज्य की ओर से समर्थन किया। यह दूषित प्रथा न्यूनाधिक रूप में हर्षवर्धन के काल तक चलती रही। ऐसा माना जाता है कि सिंध पर मुसलमानी आक्रमण के समय सिंध के बौद्धों ने आक्रमण करने वालों की सहायता की थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

तुम क्या जानो बरसात में छाते का महत्व...

प्रकाश हेमावत
व्यंग्यकार

समय-समय पर सभी के भाव आसमान पर चढ़ते हुए नजर आते हैं इसमें कोई दो मत नहीं है परंतु सबसे बड़े जादुई बात तो यह है कि जब किसी का भाव नीचे गिरते हैं तो दिखाई नहीं देता है। आवाज नहीं आती है। कोई हलचल नहीं होती है आखिर क्यों? क्योंकि हमने हमारी आंखों ने इनको आसमान पर चढ़ते हुए देखा है और गिरते हुए नहीं देखा है। समझ गए ना मैं क्या कहना चाहता हूं। आलू, प्याज, लहसुन, सोयाबीन, टमाटर, दाल, तेल जैसों के भाव बढ़ने के साथ-साथ इन दिनों बरसात में छातों के भाव भी आसमान में चढ़ गए ऐसी स्थिति और परिस्थिति को देखकर यह कह सकते हैं कि इनका भी टाइम आ गया इनको साथ बैचने वाले के अच्छे दिन आ गए और सबसे बड़ी बात तो यह है कि बरसात के दिनों मे छाता बेचने वाले दुकानदारों की ऐसी लगती है जिसे श्राद्ध पक्ष में 'कौवे' की उड़कर लगती है या फिर यूं कहूं नजर बदली तो नजारे बदल गई ठंड आए तो पिंजरे बदल गए। विभिन्न दुकानों पर टंगे हुए काले तथा रंग बिरंगी छाते हमारे मन को ललचा रहे हैं, लुभा रहे हैं,ये अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। जैसे कोई प्रेमिका अपने प्रेमी को रिझा रही हो। इन ललचाने वाले छातों में कोई नेरो गेज, मीटर गेज, ब्रॉड गेज की तरह दिखाई दे रहे हैं।

कई छाते ब्लैक रंग में 'ब्लैक कमांडो' की तरह नजर आ रहे हैं, तो कुछ छाते रंग बिरंगी रंगों में नजर आ रहे हैं। इन छातों का आकार 12, 14, 16 ताड़ियों में होते हैं। यानी कि अमीर, गरीब और मध्यम परिवार की तरह होते हैं। बाजार में बिकने वाले छाते मात्र दो प्रकार के होते हैं। उनको देखकर ऐसा लगता है जैसे 'स्त्रीलिंग और पुल्लिंग' हैं। छाते व्याकरण की दृष्टि से दो भागों में बांटे गए हैं। शुक्र है भगवान का की, छाते बनाने वाले ने 'थर्ड जेंडर' नामक कोई छाता नहीं बनाया वरना जो खरीद कर ले जाता उसे किस नजर से देखा जाता उसको हम किसी शब्दों में बयां नहीं सकते हैं। बरसात के दिनों में छाता संगी साथी बनाकर गीला होने से बचा लेते हैं और बीमार होने से भी बच जाते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से अगर छाता कहीं भूल जाते तों ऐसा लगता है जैसे परिवार का प्रिया जन कहीं गुम हो गया ऐसी स्थिति में छाते की रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं कर सकते हैं क्यों कि , विभिन्न प्रकार की कंपनियों द्वारा निर्मित छातों की शक्ल एक जैसी होती है इन्हें पहचानें, ढूंढने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और फिर आप जानते ही हैं थाने की कार्रवाई को बारे में आपको कुछ नहीं कहना चाहता हूं और न ही बताना चाहता हूं।

जिसके पास छाता होता है उसे ऐसा लगता है की बरसात के मौसम में वह किसी करोड़पति से काम नहीं दिखाई देता है। कुछ जुगाड़ किस्म के मानव एक ही छतरी में दो दो शरण ले लेते हैं उस भावनाओं के साथ गीत को गुनगुनाते हुए "मेरी छतरी के नीचे आजा क्यों भीगे रे 'कमल' खड़ा खड़ा।" बरसात के दिनों में छाता गुम होने का, भूलने का टेंशन सर पर लगातार ख़तरे की तरह मंडराता रहता है जिसके चलते कभी भी दुर्घटना घट सकती है? नजर हटी दुर्घटना घटी घर पहुंचते ही पत्नी के हाथों डांट मिली। बरसात की दिनों में सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि बरसात के मौसम में बाजार जाते समय अगर छाता ले जाना भूल गए या वापसी लाना भूल गए तो पत्नी के गुस्से का शिकार होना पड़ता है फिर बरसात के मौसम में भजिया, मिर्ची, आलू बड़े खाने का जो ख्वाब हमने देखा था वह टूटकर बिखर जाएगा अतः सावधान रहे सुरक्षित रहें छाता, बरसात और पत्नी के बीच तालमेल मिलकर जीवन का आनंद इन फुहारों के बीच लेते रहे इसलिए अरे चुन्नी बाबू तुम क्या जानो बरसात के मौसम में छाते का महत्व।

नॉलेज कॉर्नर: ब्रिटेन में ट्रेन की शुरुआत 1825 में हुई

1853 में चली थी भारत की पहली ट्रेन

भारत में अधिकतर लोग एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए ट्रेन से यात्रा करना पसंद करते हैं। भारत में रेल यात्रा सस्ती और आरामदायक है। इसकी वजह से भारतीय रेलवे को देश की लाइफ लाइन माना जाता है। दुनिया में भारतीय रेलवे चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में रेलवे स्टेशन की कुल संख्या करीब 8000 है। समय के साथ भारतीय ट्रेनों और स्टेशनों में काफी बदलाव आया है। वैसे भारत में रेलवे नेटवर्क के लिए वर्ष 1832 में ब्रिटेन की तर्ज पर भारत में ट्रेन चलाने के लिए दक्षिणी भारत से ब्रिटिश अधिकारी के पास प्रस्ताव आया था, लेकिन, इस वक्त इस पर ज्यादा काम नहीं हो सका। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं भारतीय रेलवे के बारे में...

भारतीय रेलवे का इतिहास 171 साल पुराना है

देश में पहली ट्रेन 171 साल पहले यानी 16 अप्रैल, 1853 में शुरू हुई. देश में पहली ट्रेन तत्कालीन बंबई के बोरीबंदर से लेकर ठाणे के बीच चली थी। ये ट्रेन दोपहर 3 बजकर 35 मिनट पर मुंबई से निकली और 4 बजकर 45 मिनट पर ठाणे पहुंची। करीब 35 किलोमीटर के इस सफर को पूरे करने में इसे 1 घंटा और 10 मिनट का समय लगा, लेकिन आप जानते हैं हमारे देश के पास रेलवे की कमान कब आई, कब रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ था। हालांकि भारत में रेल चलाने के बारे में बहुत साल पहले से ही कवायद शुरू हो चुकी थी, लेकिन इसे मूर्त रूप देने में बहुत वक्त चला गया।

बंटवारे में 40% रेल नेटवर्क पाक को मिले

जब 1947 में, भारत में ब्रिटिश राज का तो अंत हुआ तब देश को दो भागों में विभाजित कर दिया गया, जिससे रेलवे पर भी प्रभाव पड़ा क्योंकि नव निर्मित 40% से अधिक नेटवर्क पाकिस्तान में चले गए थे। 1950 1951 में रेलवे नेटवर्क को जोन में पुनर्गठित करना शुरू कर दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच पहली ट्रेन, समझौता एक्सप्रेस 1976 में अमृतसर और लाहौर के बीच चलना शुरू हुई थी। अगर रेलवे के राष्ट्रीयकरण की बात करें तो भारतीय रेल का राष्ट्रीयकरण 1950 में हुआ था। 1952 में छह जोनों के साथ जोनल सिस्टम शुरू हुआ था। वर्ष 1954 में, रेलवे ने 3 टायर रेलवे कोच में सोने की सुविधा को शुरू किया।

लार्ड डलहौजी ने किया था निर्णय

ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत में आने के करीब 200 सालों के बाद 1825 में पहली बार ब्रिटेन में ट्रेन चली। इसने स्टॉकटन से डार्लिंगटन तक की दूरी तय की थी। सन 1848 में लार्ड डलहौजी जब भारत के गवर्नर जनरल बने तो उन्होंने भारत में ट्रेन चलाने का फैसला किया।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

X

गोविंद सिंह डोटासरा, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस
@GovindDotasra
प्रदेश में बेलगाम अफसरशाही से तंग आकर एक ही पंचायत समिति के 13 सरपंचों का इस्तीफा विफल भाजपा सरकार में पंचायती राज व्यवस्था को कमज़ोर करना एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों का अपमान करना है।

जया किशोरी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
यह प्राथना दिल की बेकार नहीं होगी। पूरा है भरोसा मेरी हार नहीं होगी। सावरे जब तू मेरे साथ है।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने एक कार्यक्रम में किया पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को लेकर दावा...

अयोध्या मसले के हल का श्रेय नहीं मिले, इसलिए गिरा दी गई थी सरकार

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को विलक्षण दृढ़-निश्चयी, साहसी और कर्तव्यनिष्ठ नायक बताते हुए सोमवार को कहा कि 1980 के दशक में उनकी सरकार को इसलिए गिराया गया ताकि अयोध्या विवाद के समाधान का श्रेय उन्हें न मिल सके। हरिवंश ने कहा कि चंद्रशेखर प्रधानमंत्री के रूप में अपने अल्पावधि के कार्यकाल में अयोध्या विवाद को बातचीत से हल करने के निकट पहुंच चुके थे।

उन्होंने कहा कि यह बात राजनेता शरद पवार ने भी अपनी पुस्तक में लिखी है और कुछ अन्य जानकार लोगों ने भी इसका उल्लेख किया है। 'चंद्रशेखरः दी लास्ट आयकन ऑफ आयडोलॉजिकल पालिटिक्स' (चंद्रशेखरः आदर्शवादी राजनीति के अंतिम शलाका पुरुष) के सह-लेखक हरवंश ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 17वीं पुण्यतिथि पर यहां आयोजित एक सभा में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर ने एक सबसे नाजुक दौर में सरकार संभाली थी और देश को दिवालियापन (विदेशी भुगतान संकट) से बचाया तथा देश आज वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा, चंद्रशेखर अपने 65 वर्ष के राजनीतिक जीवन में सात माह ही सत्ता में रहे। उन्होंने किसी दल को नहीं छोड़ा, दलों ने उनको छोड़ा। उन्होंने अपने कार्यकाल में तमिलनाडु में आतंकवाद और पूर्वोत्तर की समस्या के समाधान के लिए भी कारगर कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर ने कांग्रेस में रहते हुए भी, सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के चलते राष्ट्रपति पद के लिए कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी का विरोध करते हुए कहा था कि उनको वोट देने के बजाय, अपना वोट अरब सागर में फेंक दूंगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सभा सदस्य लवली आनंद ने की। इसका आयोजन पूर्व सांसद आनंद मोहन ने किया।

जासूसी के आरोप के बाद दिया था इस्तीफा

राम बहादुर राय ने कहा कि चन्द्रशेखर जब प्रधानमंत्री बनने वाले थे तो देश आरक्षण की आग से सुलग रहा था। उन्होंने अयोध्या मसले के समाधान का प्रयास किया और बात आगे बढ़ी तो कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने एक पुलिसकर्मी के जासूसी करने की बात लोकसभा में कह दी। बाद में गांधी के गलती मानने के बाबजूद चंद्रशेखर ने पद से इस्तीफा दे दिया। बिहार के पूर्व मंत्री अख्लाक अहमद कहा कि चंद्रशेखर ऐसे राजनेता थे जिनके समर्थक सभी राजनीतिक दल में थे। बिहार के पूर्व मंत्री जय कुमार सिंह ने चंद्रशेखर के विचारों को देश भर में फैलाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने इस आयोजन के लिये पूर्व सांसद आनंद मोहन और सांसद लवली आनंद की सराहना की।

40 साल तक सांसद रहे चंद्रशेखर

चंद्रशेखर (17 अप्रैल 1927 - 08 जुलाई 2007) 40 साल से अधिक समय तक सांसद रहे। वह कांग्रेस में समाजवादी गुट के तेज तर्रार नेता थे और आपातकाल में उन्हें एकाकी जेल में डाल दिया गया था। वह 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 के बीच भारत के आठवें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। सांसद आनंद ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेयर युवाओं के आदर्श थे। उनका राजनीतिक जीवन भावी पीढ़ियों लिए प्रेरणा स्रोत है। यह कार्यक्रम उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ने के निश्चय के साथ आयोजित किया गया है।

हेमंत सोरेन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ED

नई दिल्ली। कथित जमीन घोटाले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ सकती हैं। सोरेन की जमानत के फैसले के खिलाफ ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। सोमवार को ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बता दें कि कथित जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद सोरेन को जेल भेज दिया गया। तब चंपाई सोरेन ने झारखंड के सीएम का पद संभाला था। बाद में झारखंड हाई कोर्ट ने जमानत देते हुए सोरेन को रिहा कर दिया था। जेल से वापस आने के बाद हेमंत सोरेन ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री की शपथ ले ली है।

पूर्व CJI ललित होंगे कुलपति नियुक्ति समिति के प्रमुख

नई दिल्ली। प्रमुख सुप्रीम कोर्ट ने देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित को पश्चिम बंगाल में राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति की निगरानी के लिए खोज-सह-चयन समिति का प्रमुख नियुक्त किया। राज्य की टीएमसी सरकार और राज्यपाल सीवी आनंद बोस में इस बात पर विवाद चल रहा है कि राज्य के विश्वविद्यालयों को कैसे संचालित किया जाए? राज्यपाल राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी है। सोमवार को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश दिया कि एक समिति का गठन किया जाए। जिसके पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित प्रमुख होंगे।

झारखंड में हेमंत मंत्रिमंडल का विस्तार, 11 नए मंत्री बने

चंपई सोरेन अब निभाएंगे नंबर-2 की भूमिका, 3 नए चेहरे शामिल

एजेंसी | रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने के बाद अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित एक सादे समारोह में11 नए कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने सबसे पहले पद और गोपनीयता की शपथ ली। जेल जाने से पहले इस्तीफा देते हुब हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन को ही अपनी कुर्सी सौंपी थी। चंपई के बाद अन्य मंत्रियों ने शपथ ली। कैबिनेट में झामुमो से सात, कांग्रेस से चार और राजद से एक मंत्री।है। नए मंत्रियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के चंपई सोरेन के अलावा दीपक बरुआ, हफीजुल हसन अंसारी, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, वैद्यनाथ राम, कांग्रेस कोटे से डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, इरफान अंसारी ,दीपिका पांडे सिंह और राजद के सत्यानंद भोक्ता शामिल हैं। झारखंड के इतिहास में यह पहली घटना है, जब किसी पूर्व मुख्यमंत्री को मंत्री बनाया गया है। वैसे देश के अन्य राज्यों में इस तरह की बातें हो चुकी है। कांग्रेस से डॉ. इरफान अंसारी व दीपिका पांडेय सिंह नए चेहरे हैं, जबकि झामुमो से बैद्यनाथ राम को नए चेहरे के तौर पर रखा गया है। हालांकि, वे पूर्व में भी मंत्री रह चुके हैं। झारखंड में मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्री बनाए जाने का संवैधानिक प्रावधान है और इस बार मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्री बनाए है।

ये मौजूद थे समारोह में

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सांसद सरफराज अहमद, महुआ मांझी, सुखदेव भगत, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर समेत राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

45 विधायकों ने किया विश्वास मत का समर्थन

इससे पहले हेमंत सोरेन ने सोमवार को हंगामे और वॉकआउट के बीच विश्वास मत हसिल लिया। विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया था। 81 सदस्यीय विधानसभा में कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं, निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। भाजपा और अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के विधायक वोटिंग के लिए गिनती शुरू होते ही सदन से बाहर चले गए। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष में भाजपा के 24 और आजसू पार्टी के तीन विधायक हैं। इस बीच, रांची विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे पहले, भाजपा सदस्य विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो से विधायक भानु प्रताप साही को बोलने की अनुमति देने की मांग को लेकर आसन के समीप आ गए थे। हालांकि, महतो ने उनकी मांग अस्वीकार कर दी। विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान 75 विधायक सदन में मौजूद थे। निर्दलीय सदस्य सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राजद शामिल हैं, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के एकमात्र विधायक उसे बाहर से समर्थन दे रहे हैं।

अधिकतर पुराने चेहरों पर दांव, भाई बसंत का पत्ता काटा

हेमंत सोरेन ने अधिकतर पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया है। हालांकि हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन की कैबिनेट से छुट्टी कर दी गई है। झामुमो से छह, कांग्रेस के चार और आरजेडी कोटे से एक विधायक को मंत्री बनाया गया है।

संदेशखाली मामला: जारी रहेगी CBI जांच

SC ने पूछा: क्यों किसी को बचाना चाह रही है राज्य सरकार

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए उसकी याचिका को खारिज कर दिया। इसके अलावा अदालत ने 10 अप्रैल को दिए हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय ने जो बातें कहीं, उसमें कुछ गलत नहीं था

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने पूछा कि राज्य सरकार को इस मामले में इतनी दिलचस्पी क्यों है? आखिरकार राज्य सरकार किसी को बचाना क्यों चाहती है? सुप्रीम कोर्ट के इस सवाल पर ममता सरकार के वकील ने कहा कि याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धन्यवाद, याचिका खारिज।

इसके अलावा अदालत ने यह भी पूछा कि आखिर मामले में शामिल लोगों को कब गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने यह जानकारी 29 अप्रैल को ही मांगी थी, जब आखिरी सुनवाई हुई थी। 29 अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए भी सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा था कि कुछ लोगों के हितों को बचाने के लिए राज्य को एक याचिकाकर्ता के रूप में क्यों आना चाहिए?

बंगाल सरकार ने यह कहा था याचिका में

पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष अदालत में अपनी याचिका में कहा था कि उच्च न्यायालय के आदेश ने पुलिस बल समेत राज्य के संपूर्ण तंत्र का मनोबल कमजोर कर दिया है। संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले के मामले की जांच पहले से ही सीबीआई कर रही है और उसने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं।

नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन

संशोधनों के लिए CM ने गठित की समिति

एजेंसी | चेन्नई

एक जुलाई से देशभर में लागू तीन नए कानूनों के खिलाफ तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन के बाद अब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश एम सत्यनारायण समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति इन कानूनों में राज्य स्तर पर किए जाने वाले संशोधनों का अध्ययन करेगी और प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिश भेजेगी। समिति अधिवक्ता संघों और अन्य हितधारकों से बातचीत करने के बाद एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई समेत कई शहरों में हजारों वकीलों ने केंद्र के तीन नए कानूनों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। दरअसल, वकीलों का कहना है कि इन कानूनों का नामकरण संस्कृतनिष्ठ हिंदी में किया गया है। तिरुचिरापल्ली में संयुक्त अधिवक्ता कार्रवाई समिति (जेएसी) के सदस्यों ने तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

संस्कृत में नाम रखने पर आपत्ति

डीएमके सांसद और अधिवक्ता एनआर एलंगो का कहना है कि तीनों नए आपराधिक कानून लोकतंत्र और संविधान विरोधी हैं। इनका नाम संस्कृत में है। मगर अनुच्छेद 348 के अनुसार संस्कृत में नाम नहीं रखा जा सकता है। इन सबके अलावा तीनों कानून आरोपी व्यक्तियों और पीड़ितों के हितों के खिलाफ हैं। यही वजह है कि इन्हें लागू नहीं किया जा सकता। इन्हें खत्म करके फिर से विचार करना होगा। एमडीएमके सांसद दुरई वाइको ने नए कानूनों पर कहा कि केंद्र सरकार ने तीन आपराधिक कानूनों में बदलाव किया है, लेकिन यह विपक्षी दलों की मंजूरी के बिना किया गया। विपक्षी दल के करीब 150 सांसदों को निलंबित करने के बाद तीनों कानूनों को पारित किया गया था। यह लोकतंत्र विरोधी हैं।

स्टालिन ने गृह मंत्री को लिखा था पत्र

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बताया था कि नए कानूनों में कुछ धाराओं में कुछ और बदलाव करने की जरूरत हैं। स्टालिन ने कहा है कि केंद्र सरकार नए कानूनों को स्थगित करे और सभी राज्य सरकारों के विचार प्राप्त करने के बाद ही कोई निर्णय किया जाएगा।

चिदंबरम के बयान पर फिर से बरसे धनखड़, कहा-

सदन में खामोश, बाहर कुछ अलग ही बात कहते हैं कई सदस्य

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में 1 जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के 'पार्ट टाइमर' वाले बयान के बाद विवाद गरमाया हुआ है। पी चिदंबरम के एक बयान पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने फिर से निशाना साधा है। उनका कहना है कि संसद के सदस्य विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लिए बिना अपनी सहमति दर्ज करा रहे हैं। धनखड़ ने चिदंबरम का नाम लिए बिना राज्यसभा में कहा कि उन्होंने राज्यसभा में कुछ भी नहीं कहा जबकि वे उस समिति के सदस्य रह चुके हैं। अगर समिति में शामिल कोई सदस्य, समिति के समक्ष अपनी बात रखता है तो समिति द्वारा इस पर विचार किया जा सकता है। उस सदस्य के पास सदन की कार्यवाही में अपनी बात रखने का एक बड़ा अवसर होता है। आप अपने संवैधानिक कर्तव्य को नहीं निभा रहे, आप चर्चा में शामिल नहीं हो रहे, आप अपनी बातों को आगे नहीं बढ़ा रहे। फिर आप सदन के बाहर आकर कुछ अलग ही बयान देते हैं। इस तरह से आप अपना अधिकार खो देते हैं। ज्ञात रहे कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम ने नए आपराधिक कानूनों को लेकर कहा था कि ऐसे अहम विधेयक को विधि आयोग के पास भेजा जाना चाहिए था और समिति के (पार्ट टाइमर सदस्यों को इसका मसौदा तैयार नहीं करना चाहिए था।

राहुल गांधी की मणिपुर व असम यात्रा: हिंसा प्रभावित व बाढ़ पीड़ितों से मिले, कहा-

दर्द में है मणिपुर, उसे बाहर निकालने की जरूरत... प्रधानमंत्री करें दौरा

एजेंसी | इंफाल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार मणिपुर में हिंसा प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों का दौरा किया। उन्होंने राज्य के चुराचांदपुर और बिष्णुपुर दोनों ही इलाकों में बने राहत शिविरों का दौरा किया और हिंसा प्रभावित इलाकों में कुकी और मैतेयी दोनों समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। बाद में उन्होंने राज्यपाल अनुसुइया उइके से भी मुलाकात की।

बाद में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संकट शुरू होने के बाद मैं तीसरी बार यहां आया हूं। मैं सुधार की उम्मीद कर रहा था लेकिन दुख की बात है कि कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि समय की मांग शांति है।

राहुल गांधी ने कहा कि हजारों परिवारों को नुकसान पहुंचा है। लोग मारे गए हैं। मणिपुर में जो हो रहा है, वैसा मैंने भारत में कहीं नहीं देखा। राज्य दो भागों में विभाजित है। मैंने राज्यपाल से बात की और हमने उनसे कहा कि हम शांति बहाल करने के लिए हरसंभव मदद करेंगे। मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता हूं।

राहुल ने कहा, मैंने शिविरों का दौरा किया और वहां लोगों से उनका दर्द सुना। मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि मणिपुर को जरूरत है कि पीएम यहां आए और यहां जो हो रहा है, उसे समझे और जनता की आवाज सुनें। भले ही कोई त्रासदी न हुई हो, प्रधानमंत्री को मणिपुर आना चाहिए था। मैं प्रधानमंत्री से अपील करता हूं कि वे 1-2 दिन का समय निकालें और मणिपुर के लोगों की बात सुनें। इससे मणिपुर के लोगों को सुकून मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि पूरा मणिपुर दर्द में है, पीड़ित है और उसे जल्द से जल्द इस पीड़ा से बाहर निकलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिंसा और नफरत से कोई समाधान नहीं निकलने वाला है। इसलिए अगर हम शांति के बारे में सोचना शुरू कर सकते हैं, प्यार के बारे में सोचना शुरू कर सकते हैं, तो यह मणिपुर के लिए एक बहुत बड़ा कदम होगा।

असम में बाढ़ पीड़ितों से मिले राहुल गांधी

इससे पहले राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 10 बजे असम के सिलचर हवाई अड्डे पर पहुंचे। उन्होंने असम के कछार के लखीपुर के फुलेरताल में एक राहत शिविर में बाढ़ प्रभावित पीड़ितों से मिले। वे असम के कछार जिले में रह रहे मणिपुर के जिरीबाम जिले के विस्थापित लोगों से भी मिले। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। ज्ञात रहे कि मणिपुर के जिरीबाम के करीब 1700 लोगों ने पिछले महीने हिंसा की घटनाओं को देखते हुए असम में शरण ले ली थी।

राज्यपाल अनुसुइया उइके से की मुलाकात

राहुल गांधी ने सोमवार शाम राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि हमने राज्यपाल से बात की और हमने कहा कि हम हर संभव तरीके से मदद करना चाहेंगे। हमने अपनी नाराजगी भी जाहिर की और कहा कि हम यहां हुई प्रगति से खुश नहीं हैं। हिंसा और नफरत से कोई समाधान नहीं निकलने वाला।

जरूरी खबर

मुंबई BMW केस : शिवसेना नेता को मिली जमानत

मुंबई। मुंबई के बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन केस में आरोपी राजेश शाह को जमानत मिल गई है। सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए स्थानीय सेवरी कोर्ट ने शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता शाह की बेल मंजूर कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने 15,000 रुपए की नकद राशि जमा करने का निर्देश दिया। मालूम हो कि राजेश शाह आरोपी मिहिर शाह के पिता हैं। 24 साल के मिहिर ने रविवार तड़के बीएमडब्ल्यू कार से एक महिला को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना की शिकार 45 वर्षीय कावेरी नाखवा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया और उसके घायल पति प्रदीप का इलाज चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना के समय कार में मिहिर के साथ ड्राइवर मौजूद था। मगर, अब तक मिली जानकारी के मुताबिक गाड़ी को मिहिर ही चला रहा था।,मिहिर शाह अभी तक फरार है।

शरद पवार की पार्टी को चंदा स्वीकारने की इजाजत

नई दिल्ली। चुनाव आयोग से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) को सोमवार को बड़ी राहत मिली। आयोग ने महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी को चंदा स्वीकार करने की इजाजत दे दी है। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने आयोग से अपील की थी कि वह जनता से स्वैच्छिक योगदान स्वीकार करने के लिए पार्टी के दर्जे को प्रमाणित करे। अब एनसीपी-शरद गुट सरकारी कंपनी के अलावा किसी भी व्यक्ति या कंपनी की ओर से स्वैच्छिक रूप से दी गई राशि को स्वीकार कर सकती है। यह अधिनियम सभी राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले अंशदान को नियंत्रित करता है।

फायरिंग मामले में नौ के खिलाफ चार्जशीट दायर

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर दो हमलावरों ने गोलीबारी के मामले में सोमवार को एक विशेष अदालत में 9 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की। 1,735 पेज की चार्जशीट अपराध शाखा द्वारा एक विशेष एमसीओसी अदालत में दायर किया गया । एक अधिकारी ने कहा, 'इसमें तीन खंडों में शामिल विभिन्न जांच दस्तावेज शामिल हैं। उन्होंने कहा, सबूतों में 46 गवाहों के बयान और सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज गवाहों के बयान शामिल हैं।

पीएम मोदी का भावभीना स्वागत... दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे। मॉस्को हवाई अड्डे पर उनका भावभीना स्वागत किया गया। रूसी सेना द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

रूस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी... भारतीय समुदाय से भी मिले

पुतिन के साथ शिखर बैठक में और गहरा होगा दोस्ती का रंग

एजेंसी | मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्षिक शिखर वार्ता के लिए सोमवार को रूस की राजधानी मॉस्को पहुंच गए हैं। रूसी धरती पर उनका भव्य स्वागत हुआ है। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। वह मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए। इससे पहले पीएम मोदी को हवाई अड्डे पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। शहर में कार्लटन होटल में भारतीय मूल के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और कुछ रूसी कलाकारों ने हिंदी गीतों की धुन पर नृत्य कर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने भारत से रवाना होने से पहले अपने बयान में कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक की भूमिका निभाना चाहता है। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की पहली रूस यात्रा है। इससे पहले वह 2019 में रूस गए थे जहां उन्होंने सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था।

रात्रि भोज पर पुतिन से मिले गले...पीएम मोदी बोल-दोस्त के घर आना अच्छा

पीएम मोदी के रात्रि भोज के लिए नोवो-ओगारियोवो स्थित सरकारी आवास पर पहुंचने पर पुतिन ने गले मिलकर और हाथ मिलाकर स्वागत किया। यहां दोनों नेताओं के बीच दोस्ती की खास जुगलबंदी दिखी। मोदी ने आमंत्रण के लिए पुतिन को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें पुतिन पीएम मोदी का हाथ मिलाकर और गले लगकर स्वागत करते दिखाई दिए।

तिरंगे की रोशनी में नहाया यूरोप का सबसे ऊंचा टावर

पीएम मोदी के मॉस्को पहुंचते ही यूरोप की सबसे ऊंची इमारत ओस्टैंकिनो टावर को भारतीय ध्वज के रंगों से रोशन किया गया। रूस की राजधानी मॉस्को में 1,771 फीट (540 मीटर) ऊंचा ओस्टैंकिनो टीवी टॉवर दुनिया का चौथा सबसे ऊंचा और यूरोप का सबसे ऊंचा टावर है।

व्यापार, ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर होगी चर्चा

पीएम मोदी की राष्ट्रपति पुतिन के साथ मंगलवार को 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। दोनों नेता शिखर वार्ता में व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। इसके अलावा यूक्रेन संघर्ष भी प्रमुख मुद्दा रह सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ज्ञात रहे कि रूस के साथ अपनी 'विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी' का भारत पुरजोर बचाव करता रहा है और यूक्रेन संघर्ष के बावजूद संबंधों में गर्मजोशी बनी रही है।

मास्को पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते हुए।

पीएम दौरे के कूटनीतिक मायने

- भारत -चीन के बीच को बराबर के नजरिए से देखने का प्रयास। पीएम मोदी का रूस पहुंचने पर वैसा ही स्वागत जैसा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का किया गया था स्वागत।
- मोदी की अगवानी रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने की। मांतुरोव मांतुरोव ने ही चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का उनकी यात्रा के दौरान स्वागत किया था। इसे एक बड़ी कूटनीतिक पहल बताया जा रहा है। दोनों ही देशों के प्रमुखों को बराबर सम्मान दे रहा है।

प्रॉपर्टी की खरीद के लिए समान कानून बने: SC

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि देशभर में बिल्डर और प्रॉपर्टी खरीदारों के बीच डील को लेकर एक जैसा नियम बनना चाहिए। पूरे देश में ही प्रॉपर्टी के खरीददार धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, 'बायर्स पर बिल्डर क्या-क्या चीजें थोप सकते हैं। इसे लेकर एक देशव्यापी नियम होना ही चाहिए। अन्यथा पूरे देश में खरीदारों के साथ बिल्डर धोखा करते रहेंगे। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की ओर से 2020 में दाखिल पीआईएल पर सुनवाई करते हुए बेंच ने ये बातें कहीं। बेंच में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। इस केस की सुनवाई के दौरान वकील देवाशीष भारुका ने बताया कि इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है। मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने एक समान बिल्डर-खरीदार समझौते को बनाने के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया निर्देश

मासिक धर्म अवकाश पर मॉडल नीति बनाएं

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य पक्षों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है। इसके अलावा महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि इस तरह की छुट्टी अधिक महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी? इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने से महिलाएं कार्यबल से दूर हो जाएंगी। हम ऐसा नहीं चाहते।

इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता का कहना है कि मई 2023 में केंद्र को एक आवेदन सौंपा गया था। चूंकि, मुद्दा सरकारी नीति के विविध उद्देश्यों को उठाता है, इसलिए इस अदालत के पास हमारे पिछले आदेश के संदर्भ में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता और वकील शैलेंद्र त्रिपाठी की तरफ से पेश वकील को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव तथा अतिरिक्त सालिसिटर जनरल के पास जाने की अनुमति दे दी। पीठ ने कहा, हम सचिव से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें और सभी पक्षों से परामर्श करने के बाद देखें कि क्या एक माडल नीति बनाई जा सकती है।

कुलगाम में सुरक्षा बलों का सर्च अभियान

अलमारी के पीछे बना था बंकर, अंदर छिपते थे आतंकी

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद वहां पर आतंकियों की तलाश में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। इस बीच जिले के एक घर का वीडियो सामने आया है जिसमें एक अलमारी के पीछे एक बंकर बना हुआ है। बंकर को एक अलमारी के अंदर बड़ी चतुराई से बनाया गया था, जिसमें चार आतंकवादी रहते थे। हालांकि ये सभी आतंकवादी शनिवार रात को मुठभेड़ में मारे गए थे। अधिकारी इस बंकर की और आतंकवादियों को आश्रय देने वाले शख्स की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों ने कथित तौर पर एक अलमारी के अंदर एक बंकर बनाया और कुलगाम जिले के चिन्निगम फ्रिसेल में ठिकाने में रहते थे।

बंकर से मिले हथियार

वायरल हो रहे वीडियो में सुरक्षा बलों को एक घर में नागरिक घर में एक अलमारी के पीछे छिपे छोटे और मजबूत कंक्रीट ठिकाने का निरीक्षण करते हुए दिखाया गया है। सुरक्षा बलों को बंकर से हथियार आदि भी मिले हैं।

देशभर में भारी बारिश

थम गई महानगरी मुंबई...जलमग्न हुए कई इलाके

एजेंसी | मुंबई

देश के विभिन्न भागों में भारी बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिए हैं। रविवार रात से ही हो रही वर्षा से शहर के विभिन्न हिस्से जलमग्न हो गए। महानगर के कुछ इलाकों में सुबह सात बजे तक मात्र छह घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई, जिससे सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए। इसके बाद पूरे दिन रुक-रुक कर बादल बरसते रहे। इससे उपनगरीय रेल व्यवस्था ठप हो गई। रेलगाड़ियां जहां-तहां रुक गईं। सड़कों पर पानी भरने से यातायात अवरुद्ध हो गया। लोगों को जलमग्न सड़कों से पैदल गुजरते देखा गया। मुंबई हवाई अड्डे पर लगभग 27 उड़ानों के मार्ग बदलने पड़े तथा 51 उड़ानें रद्द कर दी गईं। राज्य सरकार ने मुंबई, रत्नागिरि और सिंधुदुर्ग जिलों के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आपात बैठक कर हालात की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्रालय में आपात बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और BMC के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया। भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी के मद्देनजर बीएमसी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और आपातकालीन मदद के लिए उसके हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने की अपील की है।

गोवा में तीसरे दिन भी मूसलाधार बारिश

गोवा में भी सोमवार को लगातार तीसरे दिन मूसलाधार बारिश से कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। इस बीच कुंदैम इंडस्ट्रियल एस्टेट में बारिश के कारण गिरी दीवार के नीचे दबने से तीन लोगों की मौत हो गई।

असम में हालात गंभीर: 23 लाख लोग प्रभावित

असम में बाढ़ की स्थिति सोमवार को भी गंभीर बनी रही और 28 जिलों की लगभग 23 लाख की आबादी इससे प्रभावित हुई है। अधिकतर नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर है। राज्य में इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में 78 लोगों की मौत हुई जबकि इनमें से केवल बाढ़ के कारण 66 लोगों की मौत हुई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में सभी राहत शिविरों में पूरी व्यवस्था की गई है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ में अब तक कम से कम 131 जंगली जानवरों की मौत हो गई है, 97 को बचा लिया गया है।

कुमाऊं में 34 वर्ष पुराना रिकॉर्ड टूटा

उत्तराखंड में मानसून की दस्तक के बाद से ही भारी वर्षा का दौर जारी है। पहले सप्ताह में ही प्रदेश में सामान्य से करीब तीन गुना अधिक वर्षा हुई है जबकि, कुमाऊं में भारी से बहुत वर्षा हुई और एक ही दिन में वर्षा का 34 वर्ष पुराना रिकॉर्ड टूट गया। रविवार की सुबह से सोमवार की सुबह तक 24 घंटे के भीतर कुमाऊं के कुछ क्षेत्रों में 200 से 400 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई।

इतिहासकार सावंत का दावा...

लंदन संग्रहालय में रखा हुआ शिवाजी का 'बघनखा' नकली!

एजेंसी | मुंबई

प्रसिद्ध इतिहासकार इंद्रजीत सावंत ने कहा है कि लंदन के संग्रहालय में रखा गया छत्रपति शिवाजी महाराज का 'बघनखा' असली नहीं है। ज्ञात रहे कि पिछले साल ही महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय ने इस 'बघनखा' को राज्य में वापस लाने के लिए कहा था। इसके लिए लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब सावंत के इस दावे से मामले में एक नया मोड़ आ गया है। वहीं इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि ये सभी लोग जानते है कि 'भवानी तलवार' और 'बघनखा' लंदन में हैं। इतिहासकार सावंत का दावा है कि शिवाजी द्वारा इस्तेमाल किया गया बघनखा महाराष्ट्र के सतारा में ही मौजूद है। उनका कहना है कि उन्होंने विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय को एक पत्र लिखा। इसके जवाब में संग्रहालय ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ये बघनखा (जो संग्रहालय में मौजूद है) छत्रपति शिवाजी महाराज का है। वहीं एक अन्य शोधकर्ता पांडुरंग बलकावड़े ने एक मराठी टीवी चैनल को बताया कि प्रतापसिंह छत्रपति ने 1818 और 1823 के बीच अपने निजी संग्रह से 'बघनखा' अंग्रेज ग्रांट डफ को दिया था। उन्होंने कहा कि डफ के वंशजों ने इसे संग्रहालय को सौंप दिया।

हरे कृष्ण मूवमेंट ने निकाली रथ यात्रा, लोगों ने हाथों से खींचा रथ

सुभद्रा और बलभद्र के साथ भक्तों को आशीर्वाद देने निकले जगन्नाथ

बेधड़क.जयपुर। भगवान जगन्नाथ जब बलभद्र और सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकले तो पूरी गुलाबी नगरी 'जय जगन्नाथ' के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने अपने हाथों से भगवान का रथ खींचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भव्य रथ यात्रा का आयोजन हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के द्वारा किया गया। इस दौरान भक्तों ने रथ पर सवार भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। हरे कृष्ण मूवमेंट की वार्षिक रथयात्रा का शुभारंभ जयपुर होटल (कलेक्ट्रेट सर्कल के पास) से हुआ, इसके बाद खासा कोठी पुलिया, गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा (एमआई रोड), पांच बत्ती सर्किल से अजमेरी गेट फिर न्यू गेट से होते हुए अल्बर्ट हॉल म्यूजियम रोड की ओर से शाम 8:15 बजे शिव सत्संग भवन पर यात्रा समाप्त हुई।

नृत्य करते चले रथ के संग

रथ यात्रा के मुख्य अतिथि विधायक गोपाल शर्मा, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एवं एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा अरुण चतुर्वेदी और ओमप्रकश मोदी थे। भगवान् जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को बहुत ही सुंदर फूलों और रंग बिरंगी रौशनी से सजाया गया। रथ के साथ गौर निताई आगे चल रहे थे, हजारों भक्तगण रथ को हाथों से खींचते हुए आगे बढ़ रहे थे और करताल और मृदंग के साथ भगवान का गुणगान करते हुए नृत्य कर रहे थे। पूरी यात्रा के दौरान भक्तों को प्रसाद और फल आदि का वितरण किया गया।

इसलिए श्रद्धालु खींचते हैं रथ

मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने रथयात्रा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि द्वारकाधीश भगवान श्री कृष्ण को वृन्दावन वापस ले जाने के लिए वृन्दावन वासियों ने भगवान का रथ अपने हाथ से खींचा था। वृन्दावन वासियों के इस प्रेम को देखकर भगवान कृष्ण भाव विभोर हो गए थे। इसी याद में हर वर्ष रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है।

कल्कि ने 11 दिन में दुनियाभर में कमाए 900 करोड़ रुपए

बेधड़क. जयपुर। डार्लिंग प्रभास एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर बाहुबली साबित होते जा रहे हैं। उनकी हालिया रिलीज मूवी कल्कि दुनियाभर में जोरदार कमाई कर रही है। मेकर्स के अनुसार मूवी ने 11 दिन में दुनियाभर में की 900 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। यह कमाई के ऑफिशियल आंकड़े हैं, ट्रेड के अनुसार मूवी ने 763 करोड़ रुपए की कमाई दुनियाभर में की है। ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल के अनुसार दोनों के आंकड़ों में करीब 140-180 करोड़ का अंतर है। कडेल की शेयार की गई जानकारी के अनुसार मूवी ने भारत में 550 करोड़ रुपए की ग्रोस तथा 468 करोड़ रुपए की भारत में नेट कमाई की। बात करें हिंदी वर्जन की तो 199 करोड़ नेट का कलेक्शन मूवी ने किया है। बता दें कि प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' 28 जून को रिलीज हुई थी। यह फिल्म ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में बंपर कमाई कर रही है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण भी इंपोर्टेंट रोल में है। इसके साथ ही 'कल्कि 2898 एडी' के ओटीटी पर रिलीज को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि यह फिल्म सितंबर के दूसरे सप्ताह में ओटीटी पर रिलीज हो सकती है।

'बैड न्यूज' के सेकंड सिंगल को लेकर आई मीम्स की बाढ़

बेधड़क. जयपुर। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'बैड न्यूज' का के दूसरे गाने 'जानम' का प्रोमो रिलीज कर दिया गया है, जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स विक्की कौशल की चुटकी ले रहे हैं। 'जानम' एक रोमांटिक गाना है। इसके प्रोमो में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी को स्विमिंग पूल में देखा जा सकता है। विक्की कौशल शर्टलेस नजर आ रहे हैं तो वहीं, तृप्ति नीले रंग की मोनोकिनी में दिखाई दे रही हैं। दोनों के बीच कमाल की कैमिस्ट्री दिख रही है। प्रोमो के अंत में दोनों एक-दूसरे को किस भी कर रहे हैं। प्रोमो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि कैटरीना दीदी, मैं तो ना सहती। दूसरे ने लिखा कि करण जौहर तलाक करवाएगा। एक अन्य यूजर ने विक्की के लिए लिखा कि भाई आपको कैटरीना भाभी कुछ कहती नहीं है क्या? एक और यूजर ने लिखा कि कैटरीना अपनी आंखे बंद कर लो। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'खत्म, टाटा, बाय बाय।'

City इवेंट्स

भक्ति संध्या के साथ हुई पहली सभा

बेधड़क. जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर की सत्र 2024-25 की प्रथम सभा रोटरी भवन में भक्ति संध्या के तौर पर आयोजित की गई।अध्यक्ष रो. गिरधर माहेश्वरी के द्वारा सभा का शुभारंभ करते हुए मुख्य वक्ता गौरव जैन, नेहा जैन, रोटेरियनस एवं अतिथिगण का अभिनंदन किया गया। ईश वंदना रो.सोनाली बेंद्रे के द्वारा की गई। रोटरी फॉर वे टेस्ट सुनाया गया। अंकिता माहेश्वरी के द्वारा गणेश वंदना की शानदार प्रस्तुति दी गई । सभा का संचालन उपाध्यक्ष रो. शिल्पा बेंद्रे के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता गौरव जैन का परिचय पूर्व अध्यक्ष रो. हरेश पाटनी के द्वारा दिया गया। रो. गौरव जैन के द्वारा भक्ति संध्या में भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। सचिव रो.पीयूष जैन ने सभा में आए रोटेरियनस, रो. शिल्पा बेंद्रे, रो. सोनाली बेंद्रे, रो. हरेश पाटनी, रो. सागर बेंद्रे, रो.उजास चंद जैन का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन किया गया।

7 सितंबर को आएगी लकी भास्कर

बेधड़क. जयपुर। दुल्कर सलमान की पेन इंडिया फिल्म लकी भास्कर की नई रिलीज डेट आ गई है। यह मूवी अब 7 सितंबर को रिलीज होगी। दुल्कर सलमान 'लकी भास्कर' में मुख्य भूमिका में हैं। फिल्मा का डायरेक्शन वेंकी एटलुरी ने किया है। यह एक एक डकैती-थ्रिलर है। 80 के दशक में सेट की गई यह फिल्म एक बैंकर की रहस्यमयी दौलत को दिखाती है। बता दें कि दुलकर सलमान को आखिरी बार फिल्म 'किंग ऑफ ..' में देखा गया था।

जेकेके में पंचतंत्री बेला वादन 11 को

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से मधुरम के अंतर्गत 11 जुलाई को शाम 7:00 बजे रंगायन सभागार में पं. रविशंकर भट्ट की बेला वादन प्रस्तुति होगी। पं. रविशंकर भट्ट तैलंग विशेष पंचतंत्री बेला का वादन करेंगे। गौरतलब है कि हाल ही जयपुर के ध्रुवपदाचार्य पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग को पद्मश्री से नवाजा गया था। पं. लक्ष्मण भट्ट के स्वर्गवास के बाद उनके सुपुत्र और शिष्य पं. रवि भट्ट तैलंग ने पद्मश्री ग्रहण किया था। पं. रवि भट्ट ने अपने गुरु की प्रेरणा से वायलिन में 5वां तार जोड़कर पंचतंत्री बेला बनाई है। यह कार्यक्रम केन्द्र की ओर से जुलाई माह में चलने वाली श्रृंखला जुलाई झनकार का हिस्सा है। जुलाई झनकार में मानसून को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुतियों का आयोजन होगा। गौरतलब है कि संगीत कार्यक्रमों की कड़ी में हाल ही केन्द्र की ओर से रामकुमार मालूणी व समूह के कलाकारों के लोक गायन की प्रस्तुति का आयोजन किया गया था।

विजय थेलापति की मूवी के तेलुगु स्टेट्स के राइट्स खरीदे

माइथ्री मूवी मेकर्स आंध्रा और तेलंगाना में रिलीज करेंगे 'गोट'

बेधड़क | जयपुर

विजय थेलापति की अपकमिंग मूवी द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) के आंध्रा और तेलंगाना में रिलीज के राइट्स माइथ्री मूवी मेकर्स ने खरीदे हैं। इस मूवी में विजय थेलापति डबल रोल में नजर आएंगे। वेंकट प्रभु के डायरेक्शन में बनने वाली यह मूवी 5 सितंबर को सिनेमाझारों में पहुंचेगी। फिल्म के निर्माता कल्पति एस. अघोरम, कल्पति एस. गणेश और कल्पति एस. सुरेश हैं। यह विजय की 68वी फिल्म है, इसीलिए इसे स्टार्टिंग में विजय 68 के नाम से अनाउंस किया गया था। बाद में इसका टाइटल द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम रखा गया। इस मूवी में डायरेक्टर, एक्टर और कोरियोग्राफर प्रभुदेवा भी इंपोर्टेंट रोल में दिखेंगे। गोट में विजय तो लीड रोल में हैं ही उनके अपोजिट स्नेहा नजर आएंगी। इसके अलावा मूवी में प्रशांत, प्रभु देवा, मोहन, जयराम, लैला, अजमल अमीर, मीनाक्षी चौधरी, वैभव, योगी बाबू, प्रेमजी अमरन, युगेंद्रन, पार्वती नायर, वीटीवी गणेश, अरविंद आकाश, अजय राज और गांजा करुप्पु सहयोगी भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि पहले यह फिल्म अटली निर्देशित करने वाले थे, लेकिन व्यस्तता की वजह से वे यह मूवी नहीं कर पाए। बाद में वेंकट प्रभु डायरेक्टर के रूप में ओन बोर्ड आए। द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम मूवी में विजय और वेंकट प्रभु पहली बार साथ में काम कर रहे हैं।

जामुन, नीम के बीज गिराते दौड़ेंगे जयपुराइट्स

त्रिमूर्ति मानसून रन में 'पौधों से दोस्ती' का मैसेज देंगे रनर्स

बेधड़क | जयपुर

फ्रेंडशिप डे पर 4 अगस्त को पर्यावरण से दोस्ती की मिसाल कायम करने के उद्देश्य से त्रिमूर्ति मानसून रन के 8वें एडिशन का आयोजन कुकस में किया जा रहा है।

त्रिमूर्ति बिल्डर्स व जयपुर रनर्स क्लब की ओर से आयोजित इस मानसून रन के माध्यम से 'पर्यावरण संरक्षण' और 'फ्रेंडशिप विद नेचर' का संदेश दिया जाएगा। इससे पहले जयपुर रनर्स क्लब की कोर टीम एवं डायरेक्टर्स ने गुलाब के फूल और पौधे हाथ में लेकर त्रिमूर्ति मानसून रन का अनाउंस किया। जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया कि मानसून रन तीन कैटेगरी 21, 10 और 5 किलोमीटर की होगी।

क्लब के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एंड एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट दीपक शर्मा और सैकेटरी निपुन वाधवा ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि इस हेल्दी-वे पार्टी के दौरान त्रिमूर्ति मानसून रन में हिस्सा लेने वाले रनर्स जामुन, नीम जैसे विभिन्न प्रकार के छायादार वृक्षों के बीजों को रास्ते में विभिन्न स्थानों में गिराते हुए आगे बढ़ेंगे, जिससे भविष्य में यह बीज पेड़ बनकर पर्यावरण को हरा-भरा रखने में सक्षम हों।

इस तरह के आयोजनों से न केवल पर्यावरण के प्रति अवेयरनेस बढ़ेगी, बल्कि शहर में रनिंग कल्चर को भी बढ़ावा मिलेगा।

एंटरटेनमेंट वर्ल्ड | रणवीर सिंह को मिली उरी के डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म

'शक्तिमान' अब बनेंगे 'धुरंधर' इंटेलीजेंस ऑफिसर

बेधड़क | जयपुर

अभिनेता रणवीर सिंह का इन दिनों अच्छा वक्त चल रहा है। उन्हें एक के बाद एक बड़ी फिल्में मिलती जा रही हैं। शक्तिमान और डॉन 3 के बाद रणवीर सिंह के खाते में एक और बड़ी फिल्म जुड़ने जा रही है। यह 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म है। 'पीपिंगमून' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम डायरेक्टर आदित्य धर एक फिल्म बना रहे हैं और इसका नाम 'धुरंधर' है। उन्होंने इसके लिए कई सितारों से बात की है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए आदित्य धर ने रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल से बात की है। इस फिल्म के लिए सभी सितारे सहमत हैं और फिल्म लॉक हो चुकी है। हालांकि, इन स्टार्स ने फिल्म अभी साइन नहीं की है।

बदला भी जा सकता है टाइटल

रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म 'धुरंधर' में लीड रोल में रणवीर सिंह नजर आएंगे। रणवीर इसमें इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। वहीं, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल के किरदार को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। आदित्य धर की फिल्म का 'धुरंधर' टाइटल अभी फाइनल नहीं और इसे बदला भी जा सकता है। आदित्य धर इस फिल्म को अपने भाई लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं। वहीं, एक दूसरा स्टूडियो भी फिल्म से जुड़ेगा। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है और साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर अभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है।

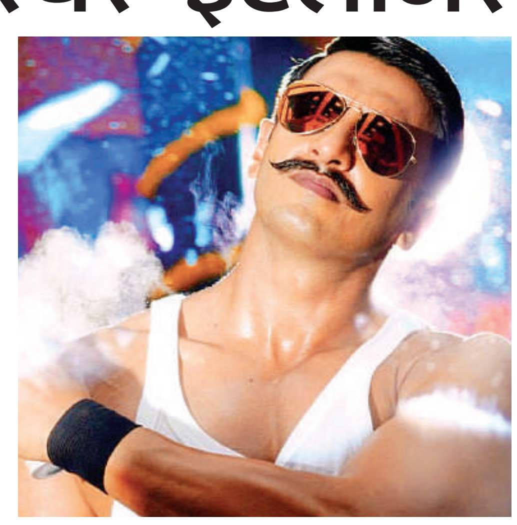

सिंघम अगेन में कॉप के रूप में दिखेंगे

गौरतलब है कि रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉप यूनिवर्स मूवी सिंघम अगेन में बिजी हैं। इस मूवी में वे सिंघम अजय देवगन, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण के साथ में नजर आएंगे। इसमें रणवीर अपनी ही फिल्म सिंबा के किरदार को आगे बढ़ाते हुए नजर आएंगे। इस मूवी में उनका जबरदस्त एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। बता दें कि रणवीर सिंह की सुपरहिट मूवी सिंबा के डायरेक्टर भी रोहित शेट्टी ही हैं, जो सिंघम अगेन का भी निर्देशन कर रहे हैं। चूंकि, यह एक हिट मूवी का सिक्वल है और इसमें सारे किरदार हिट फिल्मों से लिए गए हैं। ऐसे में इसकी सक्सेस के हंड्रेड परसेंट चांस दिखाई दे रहे हैं।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 09 जुलाई, 2024

ज्ञान ध्यान विद्या मती मत विश्वास विवेक।
बिना प्रेम सब धूर है, अग जग एक अनेक॥

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से किया अटैक... इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंच चुके हैं रूस

हमले में 20 लोगों की मौत... 50 घायल

'मिसाइलों से मलबा गिरने के कारण लगी आग'

कीव शहर प्रशासन ने बताया कि कीव के सोलोमिंस्की, प्रोव्स्की और होलोसिव्स्की जिलों में संभवतः मिसाइलों के गिरने से मलबा गिर गया, जिससे आग लग गई। कीव के कई इलाकों से धुआं उठ रहा था। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि एंबुलेंस सोलोमिंस्की जिले की ओर जा रही हैं। यूक्रेन के मध्य प्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी स्थानीय अधिकारियों ने विस्फोटों की सूचना दी है।

एजेंसी | कीव

यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने सोमवार को यूक्रेनी ठिकानों पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं, राजधानी कीव में विस्फोटों को महसूस किया गया और सुना गया। शहर के विभिन्न हिस्सों से धुआं उठता देखा गया। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने इस हमले की जानकारी देते हुए दावा किया कि इस रूसी हमले में 20 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 50 लोग घायल हैं।

बता दें, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा पर हैं। वहीं, अमेरिका में नाटो की मीटिंग चल रही है। ऐसे में रूस ने यूक्रेन के 5 शहरों पर 40 से ज्यादा मिसाइलों से हमला किया है, जिसमें यूक्रेन को काफी नुकसान हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले खबर आई थी कि रूस ने पिछले 24 घंटों में यूक्रेन पर 55 बार ज्यादा एयरस्ट्राइक की है, जिसमें कम से कम 11 लोगों की जान गई है और वहीं 40 से ज्यादा लोग घायल हुए। अब 20 लोगों के मारे जाने की सूचना है। पिछले 2 साल से चली आ रही यह जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है।

किंजल मिसाइल ध्वनि से 10 गुना तेज

यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि दिन के उजाले में किए गए इस हमले में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जो कि रूस के सबसे उन्नत हथियारों में से एक है। किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से उड़ता है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार रूसी मिसाइल हमले ने कीव के बच्चों के अस्पताल को निशाना बनाया है।

यूक्रेन पर 27 ड्रोन से किया हमला

अपना बदला लेने के लिए लगातार दोनों देश एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि शनिवार को यूक्रेन और रूस की सेनाओं के बीच 45 बार झड़प हुई। रूसी सैनिक यहां ड्रोन से पानी के टैंक पर हमले करते दिखे। यूक्रेन ने कहा कि उसने 27 में से 24 रूसी ड्रोनों को मार गिराया देश में सबसे ज्यादा नुकसान पूर्वी क्षेत्रों में हुआ है।

फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की पार्टी हारी

फैली हिंसा... आगजनी आंसू गैस के गोले छोड़े

एजेंसी | पेरिस

ब्रिटेन की सत्ता बदलने के बाद जनता ने फ्रांस में भी तख्तापलट कर दिया। फ्रांस में रविवार को हुए आम चुनावों में राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की पार्टी हार गई। सोमवार को आए आंकड़ों के मुताबिक, कुल 577 सीटों पर मतदान हुआ। इनमें से वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन को 182 सीटें मिलीं। वहीं, दूसरे नंबर पर इमैनुअल मैक्रों की रेनेसां पार्टी रही, रेनेसां केवल 163 सीटें ही जीत पाई। दक्षिणपंथी नेशनल रैली गठबंधन को 143 सीटें मिलीं। तीनों बड़े दलों में से किसी को भी बहुमत हासिल नहीं हुआ। फ्रांस में बहुमत के लिए 289 सीटें जीतना जरूरी है। किसी भी पार्टी के पास बहुमत नहीं है तो ऐसे में फ्रांस में गठबंधन की सरकार बनना तय है।

वहीं, वामपंथी गठबंधन को ज्यादा सीटें मिलने की वजह से राजधानी पेरिस समेत पूरे देश में हिंसा भड़क गई. नतीजे आने के बाद प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और हिंसा शुरू कर दी। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर आग जलाते और उपद्रव करते हुए देखा गया है। हिंसा को देखते हुए देशभर में पुलिस को तैनात किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जगह-जगह पर प्रदर्शनकारियों की हिंसा के वीडियो सामने आए हैं। झड़पों के बीच कई जगह पर पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया है।

प्रधानमंत्री अट्टल ने दिया इस्तीफा

चुनाव परिणाम आने के बाद हार की जिम्मेदारी लेते हुए प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल ने इस्तीफे की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि जब तक कोई नया प्रधानमंत्री नहीं बन जाता, तब तक वह प्रधानमंत्री बने रहेंगे। गैब्रियल अट्टल ने कहा कि हमारे पास बहुमत नहीं है, इसलिए मैं अपना इस्तीफा गणराज्य के राष्ट्रपति को सौंप दूंगा। वहीं, नतीजों के बाद हिंसा भड़क गई। दक्षिणपंथी नेशनल रैली के लोग सड़क पर आ गए और प्रदर्शन करने लगे। पुलिस को पेरिस में आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

कोई जीते, नहीं छोड़ूंगा राष्ट्रपति पद: मैक्रों

दरअसल, फ्रांस में गठबंधन की सरकार चल रही थी। उसका कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में बड़ी हार के कारण राष्ट्रपति मैक्रों ने संसद भंग कर दी। कुछ रिपोर्ट में बताया जाता है कि गठबंधन की सरकार के कारण कुछ बिल पास कराने में काफी दिक्कत हो रही थी। मैक्रों ने कहा कि कोई भी जीत जाए, लेकिन वह राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं देंगे, लेकिन नियम के मुताबिक मैक्रों की पार्टी संसद में भी हार जाती है तो उन पर राष्ट्रपति पद छोड़ने का दबाव बन सकता है।

UAE ने 10 वर्षीय पासपोर्ट सेवा की लॉन्च

हजारों भारतीयों को होगा बंपर फायदा

अबू धाबी। यूएई पासपोर्ट प्राधिकरण ने आधिकारिक तौर पर अमीराती पासपोर्ट की वैधता को 10 साल तक बढ़ाने की घोषणा की है। पहचान, नागरिकता, सीमा शुल्क और बंदरगाह सुरक्षा (ICP) के लिए संघीय प्राधिकरण के अनुसार यह नई सेवा सोमवार (8 जुलाई 2024) यानी आज से लागू हो गई है।

यह सेवा 21 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों के लिए उपलब्ध होगी। अरब अमीरात में अभी तक पासपोर्ट की वैधता जारी होने की तारीख से पांच वर्ष तक थी। माना जा रहा है कि इससे हजारों भारतीयों को बंपर लाभ होगा। एक मीडिया रिपोर्टर फातिमा अल बलूशी ने कहा, 'यह इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारे नेता हमेशा अपने नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के तरीकों की तलाश करते हैं। मैंने हाल ही में दुबई एयरपोर्ट पर 30 मिनट से भी कम समय में अपना पासपोर्ट रिन्यूअल कराया था।'

दुबई में रहने वाले 34 वर्षीय नागरिक अहमद खलीफा ने कहा, 'यूएई में ऐसी नीतियों को लागू करने का एक लंबा इतिहास रहा है जो अपने लोगों के लिए जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाती हैं' उन्होंने कहा कि यह नई नीति लोगों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार के प्रयासों का एक उदाहरण मात्र है। खलीफा का मानना है कि 10 साल की वैधता लंबे समय में यूएई के नागरिकों के समय और प्रयास को बचाएगी।

दुनिया का दुर्लभ स्टैग बीटल कीट

एक कीड़ा 75 लाख का, पालते हैं लोग

■ लोग इन कीड़ों को मानते हैं लकी चार्म

एजेंसी | लंदन

दुनियाभर में लोग घरों और खेतों से कीटों को समाप्त करने के लिए तरह-तरह के कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करते हैं, लेकिन दुनिया में एक ऐसा कीड़ा भी है जिसे लोग न सिर्फ अपने घरों में रखना चाहते हैं, बल्कि ऊंचे दामों पर खरीदते भी हैं। स्टैग बीटल दुनिया के सबसे महंगे कीटों में से एक हैं।

एक स्टैग बीटल की कीमत 75 लाख तक हो सकती है। स्टैग बीटल की खासियत ही इनको इतना महंगा बनाती है, इसके साथ ही ये काफी दुर्लभ कीड़े हैं। लोग इन कीड़ों को लकी चार्म मानते हैं। स्टैग बीटल का उपयोग दवाइयों में भी होता है।

रातों रात अमीर बना देता है बीटल

स्टैग बीटल घर में रखकर रातों-रात अमीर बना जा सकता है। एक रिसर्च स्टैग बीटल वन पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण सैप्रॉक्सिलिक समूह के प्रतिनिधि हैं। लंदन में स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के मुताबिक एक स्टैग बीटल का वजन 2 से 6 ग्राम के बीच होता है। इन कीटों का औसत जीवनकाल 3 से 7 साल का होता है। नर स्टैग बीटल 35-75 मिमी लंबे होते हैं, जबकि मादा 30-50 मिमी लंबी होती हैं। ये अपने बढ़े हुए जबड़े लिए जाने जाते हैं।

नर स्टैग बीटल करते हैं युद्ध

स्टैग बीटल का नाम इनके जबड़ों से जोड़कर रखा गया है, क्योंकि नर बीटल के जबड़े हिरण की सींग की तरह होते हैं. नर स्टैग बीटल प्रजनन के मौसम में मादा स्टैग बीटल पर अधिकार जमाने के लिए अपने मजबूत जबड़ों से लड़ाई भी करते हैं. स्टैग बीटल दुर्लभता और सास्कृतिक मान्यताओं की वजह से काफी अहम कीट माने जाते हैं, इसी वजह से इनकी कीम लाखों में पहुंच जाती है.

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl